RNI No. 62592/95
email: u.p.observer@gmail.com

यू.पी.ऑब्ज़र्वर

साप्ताहिक

मोदीनगर (गाजियाबाद) वर्ष : 32 अंक : 10 सोमवार 9 से 15 जून, 2025 पृष्ठ: 8 मूल्य : ₹3/=

महापुरुषों का अपमान नहीं सहेगा क्षत्रिय समाज : महाराज विक्रमादित्य सिंह जूदेव ...5

पीएम मोदी ने दुनिया के सबसे ऊंचे 'चिनाब रेल पुल' का किया उद्घाटन

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

कटरा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले में दुनिया के सबसे ऊंचे चिनाब रेल पुल का उद्घाटन किया। प्रधानमंत्री के साथ रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव, केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह, जम्मू-कश्मीर के उप राज्यपाल मनोज सिन्हा और मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला भी मौजूद थे।

उद्घाटन से पहले श्री मोदी ने पुल का निरीक्षण किया और इंजीनियरों तथा मजदूरों से बात की, जिन्होंने एक सपने को हकीकत में बदल दिया। चिनाब रेल पुल उत्कृष्ट वास्तुकला का जीता जागता उदाहरण है, यह नदी से 359 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है और दुनिया का सबसे ऊंचा रेलवे का अर्द्ध चंद्राकार पुल है। यह उधमपुर-श्रीनगर-बारामूला रेल लिंक (यूएसबीआरएल) परियोजना का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। यह पुल 1315 मीटर लंबा है। स्टील अर्द्ध

चंद्राकार पुल पर भूकंप और तूफान का कोई असर नहीं पड़े, इस तरह से बनाया गया है। पुल पर ट्रेन की आवाजाही शुरू होने पर जम्मू और श्रीनगर के बीच सफर आसान हो जायेगा।

पुल पर चलने वाली वंदे भारत ट्रेन के माध्यम से, कटरा और श्रीनगर के बीच यात्रा करने में महज तीन घंटे लगेंगे, जिससे मौजूदा यात्रा समय दो से तीन घंटे कम हो जायेगा।

जम्मू और श्रीनगर के बीच 272 किलोमीटर लंबी यूएसबीआरएल परियोजना लगभग 43,780 करोड़ रुपये की लागत से बनायी गयी है, और इस दूरी को तय करने के दौरान 36 सुरंगें और 943 पुल आते हैं। यह परियोजना कश्मीर घाटी और देश के बाकी हिस्सों के बीच सभी मौसमों में निर्बाध रेल संपर्क स्थापित करती है, जिसका उद्देश्य क्षेत्रीय गतिशीलता को बदलना और सामाजिक-आर्थिक एकीकरण को बढ़ावा देना है।

पीएम मोदी ने वंदे भारत ट्रेन को दिखाई हरी झंडी

3 घंटे में पूरी होगी कटरा से श्रीनगर की यात्रा

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कटरा रेलवे स्टेशन से कटरा और श्रीनगर को जोड़ने वाली वंदे भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाई। कटरा रेलवे स्टेशन से कटरा और श्रीनगर को जोड़ने वाली वंदे भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाने से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्रेन में सवार स्कूली बच्चों से बातचीत की। उन्होंने ट्रेन में मौजूद रेलवे कर्मचारियों से भी बातचीत की। यह ऐतिहासिक घटना एक ऐसे स्वप्न के साकार होने का प्रतीक है जिसे बनने में एक शताब्दी लग गई थी। हालांकि पहली यात्रा श्रीनगर से कटरा तक शुरू हुई, लेकिन रेलवे ट्रैक के पूरा होने से यह संकेत मिलता है कि जल्द ही यात्री कश्मीर से भारत के दक्षिणी छोर तक निर्बाध यात्रा कर

सकेंगे। कुछ ही हफ्तों में, यह अत्याधुनिक ट्रेन घाटी से कन्याकुमारी तक लोगों के लिए सीधी यात्रा की सुविधा प्रदान करेगी, जिससे लंबी दूरी की यात्राएं पहले से कहीं अधिक सुलभ हो जाएंगी। अब तक, कश्मीर घाटी में श्रीनगर के उत्तर में बनिहाल और बारामुल्ला के बीच तथा जम्मू क्षेत्र में जम्मू, उधमपुर और कटरा के बीच ट्रेनें चल रही थीं। वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों के कश्मीर संस्करण को हिमालय की कठोर सर्दियों की परिस्थितियों को झेलने के लिए डिजाइन किया गया है। जम्मू-श्रीनगर मार्ग पर सेवा के लिए रखी जा रही वंदे भारत एक्सप्रेस को विशेष रूप से हिमालयी क्षेत्र की कठोर सर्दियों की परिस्थितियों का सामना करने के लिए डिजाइन किया गया है। ट्रेन माइनस 20 डिग्री सेल्सियस तक के तापमान पर भी कुशलता से काम करती है। गर्म विंडस्क्रीन, परिष्कृत हीटिंग मैकेनिज्म और थर्मली इंसुलेटेड शौचालयों के समावेश से साल भर परिचालन सुनिश्चित होगा। ट्रेन में जलवायु-विशिष्ट अनुकूलन हैं, जो शून्य से नीचे के तापमान में उन्नत हीटिंग सिस्टम प्रदान करते हैं, ड्राइवर के सामने के लुकआउट ग्लास में डीफ्रॉस्टिंग के लिए हीटिंग तत्व लगे हैं, और कठोर सर्दियों के दौरान स्पष्ट दृश्यता सुनिश्चित करते हैं।

देश की आजादी किसी एक व्यक्ति के कारण नहीं मिली: मोहन भागवत

नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने भारत के स्वतंत्रता संग्राम की सामूहिक प्रकृति पर जोर देते हुए कहा कि देश की आजादी 1857 के विद्रोह से शुरू हुए व्यापक प्रयासों का परिणाम थी, न कि किसी एक व्यक्ति की उपलब्धि थी। नागपुर में एक पुस्तक विमोचन समारोह को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए भागवत ने कहा कि हमेशा इस बात पर बहस होती है कि देश को आजादी किसके प्रयासों से मिली। लेकिन वास्तविकता यह है कि यह आजादी किसी एक व्यक्ति के कारण नहीं मिली। इसके लिए प्रयास 1857 में शुरू हुए और हर जगह आग भड़क

उठी; उसके बाद, यह आग कभी शांत नहीं हुई। प्रयास जारी रहे और सभी के सामूहिक प्रयासों से हमें आजादी मिली।

सामूहिक विचार और निर्माण के महत्व को समझाते हुए आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि संघ की दिशा सामूहिक विचार से तय होती है, संघ का काम एक या दो लोगों का काम नहीं है, संघ जो भी करता है और जो भी कहता है, वह सामूहिक निर्णय होता है। इससे पहले 5 जून को आरएसएस प्रमुख ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए हालिया आतंकी हमले की कड़ी निंदा की थी और भारतीय सेना की त्वरित और प्रभावी प्रतिक्रिया की सराहना की थी। साथ ही उन्होंने सभी राजनीतिक ताकतों से इस घटना के बाद उभरी एकता की भावना को बनाए रखने का आग्रह किया था।

उन्होंने कहा, 'पहलगाम में एक बर्बर हमला हुआ। आतंकवादी हमारे देश में घुस आए और हमारे नागरिकों को मार डाला। हर कोई दुखी और क्रोधित था और अपराधियों के लिए सजा चाहता था। वास्तव में कार्रवाई की गई...इस संबंध में, हमारी सेना की क्षमता और बहादुरी एक बार फिर चमक उठी। रक्षा में अनुसंधान की प्रभावशीलता साबित हुई...हम सभी ने सरकार और प्रशासन की दृढ़ता देखी।' उन्होंने कहा कि हम सभी राजनीतिक दलों की आपसी समझ और आपसी सहयोग को भी देख रहे हैं, जो सभी मतभेदों को भुला रहे हैं...अगर यह स्थायी हो जाए और मुद्दों के पुराने होने के साथ-साथ फीका न पड़े, तो यह देश के लिए बहुत बड़ी राहत होगी। जैसे हमने देशभक्ति के इस माहौल में सभी मतभेदों और प्रतिद्वंद्विता को भुला दिया, वैसे ही आदर्श लोकतंत्र का यह नजारा आगे भी जारी रहना चाहिए। हम सभी यही चाहते हैं।

आतंकवाद के मुद्दे पर यूरोप भारत के साथ खड़ा है: रविशंकर

नई दिल्ली। भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद के नेतृत्व में सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल छह यूरोपीय देशों के राजनयिक दौरे के बाद रविवार को दिल्ली लौटा, इस दौरान सांसदों ने आतंकवाद पर भारत की स्थिति को मजबूती से व्यक्त किया और पहलगाम आतंकी हमले तथा ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से भारत की प्रतिक्रिया के बारे में अपने समकक्षों को जानकारी दी। राष्ट्रीय राजधानी पहुंचने पर पत्रकारों से बात करते हुए प्रसाद ने कहा: ह्यभारत वापस आकर बहुत अच्छा लग रहा है। हमारे प्रतिनिधिमंडल ने फ्रांस, इटली, डेनमार्क, इंग्लैंड, ब्रुसेल्स और जर्मनी का दौरा किया। हमने संसद के वरिष्ठ नेताओं, थिंक-टैंक और भारतीय समुदाय से

मुलाकात की। पहलगाम में हुए आतंकी हमले को लेकर विदेशी देशों में काफी गुस्सा है और सभी देशों ने इसकी निंदा की है। हम यूरोपीय संसद भी गए। भारतीय समुदाय हमसे मिलने के लिए बहुत उत्साहित था। भारत और यूरोप के बीच एक नया रिश्ता स्थापित होने जा रहा है। यह एक बहुत ही संतोषजनक यात्रा थी।' बर्लिन में प्रतिनिधिमंडल ने विदेश मंत्री जोहान वेडफुल और बुंडेस्टैग के उपाध्यक्ष ओमिद नूरीपुर सहित जर्मनी के शीर्ष सरकारी और संसदीय नेताओं से मुलाकात की। सांसदों ने आतंकवाद पर भारत की शून्य-सहिष्णुता नीति और सीमा पार हमलों के प्रति इसके सैद्धांतिक दृष्टिकोण को दोहराया। उन्होंने पहलगाम की घटना के जवाब में चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर की गैर-उग्र, सटीक और जिम्मेदार प्रकृति पर जोर दिया। प्रतिनिधिमंडल में शामिल भाजपा सांसद समिक भट्टाचार्य ने कहा: 'हमने यूरोप के छह देशों का दौरा किया और हमें पता चला कि पूरा यूरोप एक नई आर्थिक व्यवस्था में आने की कोशिश कर रहा है और हर देश ने पहलगाम आतंकवादी हमले की निंदा की है।

पिछली सरकार जनता से मक्कारी करती थी, हम मक्का उत्पादन बढ़ाते हैं: योगी

सीएम योगी ने किया प्रगतिशील किसानों का सम्मान

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

औरैया/लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहाकि आईसीआर के लैब में बैठे वैज्ञानिकों, कृषि विवि के प्राध्यापकों और कृषि विज्ञान केंद्रों के वैज्ञानिकों को केंद्र व राज्य की डबल इंजन सरकार ने पहली बार किसान के खेत तक भेजने का कार्य किया है। लैब टू लैंड की प्रक्रिया, बीज से बाजार तक किसान के हित को सर्वोपरि मानते हुए चलाए गए अभियान का हिस्सा है। जिस प्रदेश में किसान पहले केवल एक-दो फसल तक सीमित रह जाता था, आज वहां तीसरी फसल (मक्का) का पांच लाख हेक्टेयर क्षेत्रफल में उत्पादन करके किसान अच्छा मुनाफा कमा रहे हैं और यही किसान के परिवर्तन का आधार है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विकसित कृषि संकल्प अभियान-2025 के तहत रविवार को जनता डिग्री कॉलेज अजीतमल औरैया में मक्का किसानों से संवाद किया। सीएम ने प्रगतिशील किसानों का सम्मान, किसानों को मिनी किट का वितरण व विभिन्न योजनाओं के पात्रों को अनुदान भी वितरित किया। मुख्यमंत्री ने स्टॉल का अवलोकन किया, बच्चों का अन्नप्राशन कराया और पौधरोपण भी किया। इस दौरान किसानों ने भी अपने विचार रखे।

किसानों की खेती देख प्रफुल्लित हुए सीएम योगी

औरैया के किसानों की मकई की खेती को देख प्रफुल्लित सीएम ने आश्वस्त किया कि बहुत शीघ्र क्रय केंद्र स्थापित करके एमएसपी की घोषणा करने वाले हैं। उन्होंने कहा कि मकई पौष्टिक आहार है। स्वीट कार्न, बेबीकॉर्न, बायोफ्यूल व बायो प्लास्टिक भी इससे बन सकता है। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी ने भी वैल्यू एडिशन व फूड प्रोसेसिंग की बात कही।

पिछली सरकार जनता से मक्कारी करती थी, हम मक्का उत्पादन को बढ़ाते हैं

सीएम योगी ने कहा कि औरैया विकास के नए पथ पर अग्रसर है। पिछली सरकारें महापुरुषों का अपमान और जनता से मक्कारी करती थीं। भाजपा सरकार मक्का की खेती के उत्पादन को बढ़ाती और महापुरुषों का सम्मान करती है। किसी ने यहां मेडिकल कॉलेज के बारे में नहीं सोचा, लेकिन आज यहां मेडिकल कॉलेज बन चुका है। सपा ने नाम बदल दिया था, लेकिन हमने अहिल्याबाई होल्कर के नाम पर मेडिकल कॉलेज का नाम रख दिया। सीएम ने अहिल्याबाई होल्कर के कृतित्व व व्यक्तित्व की भी चर्चा की।

चाचा-भतीजे की दृष्टि के कारण विवादित हो जाती थी भर्ती

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पिछली सरकारों में गुंडे-माफिया हावी थे। नौकरियों पर चाचा-भतीजे की दृष्टि के कारण भर्ती विवादित हो जाती थी। नौजवानों के जीवन से खिलवाड़ होता था। हमने 8 लाख नौजवानों को सरकारी नौकरी दी है। 15 जून को गृह मंत्री के हाथों यूपी पुलिस के 60 हजार युवाओं को नियुक्ति पत्र दिया जाएगा। हमारी सरकार में 2.16 लाख से अधिक भर्ती केवल यूपी पुलिस में की जा चुकी है। पुलिस को टेक्नोलॉजी से जोड़ा गया। 1.60 लाख शिक्षक भर्ती के साथ ही अन्य विभागों में भी पारदर्शी नियुक्ति की गई। कानून व्यवस्था की बेहतर स्थिति से हुए निवेश के कारण 65 लाख युवाओं को नौकरी दी है। ओडीओपी के माध्यम से लगभग दो करोड़ नौजवानों को रोजगार की सुविधा मिली है।

सीएम योगी ने गिनाई औरैया की विकास यात्रा

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने औरैया के विकास को भी गिनाया। बोले कि यहां 250 करोड़ से अहिल्याबाई होल्कर मेडिकल कॉलेज का कार्य पूरा हुआ। रिजर्व पुलिस लाइन के लिए 272 करोड़ रुपये उपलब्ध कराया गया। इसका कार्य चल रहा है। औरैया व जालौन को जोड़ने के लिए यमुना पर 151 करोड़ से ब्रिज का निर्माण हो रहा है। मुख्यमंत्री मॉडल कंपोजिट विद्यालय के लिए 24 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं। कृषि विज्ञान केंद्र का कार्य प्रगति पर है। कृषि एक्टेंशन के लिए तीन करोड़ व जिला न्यायालय के लिए 250 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं।

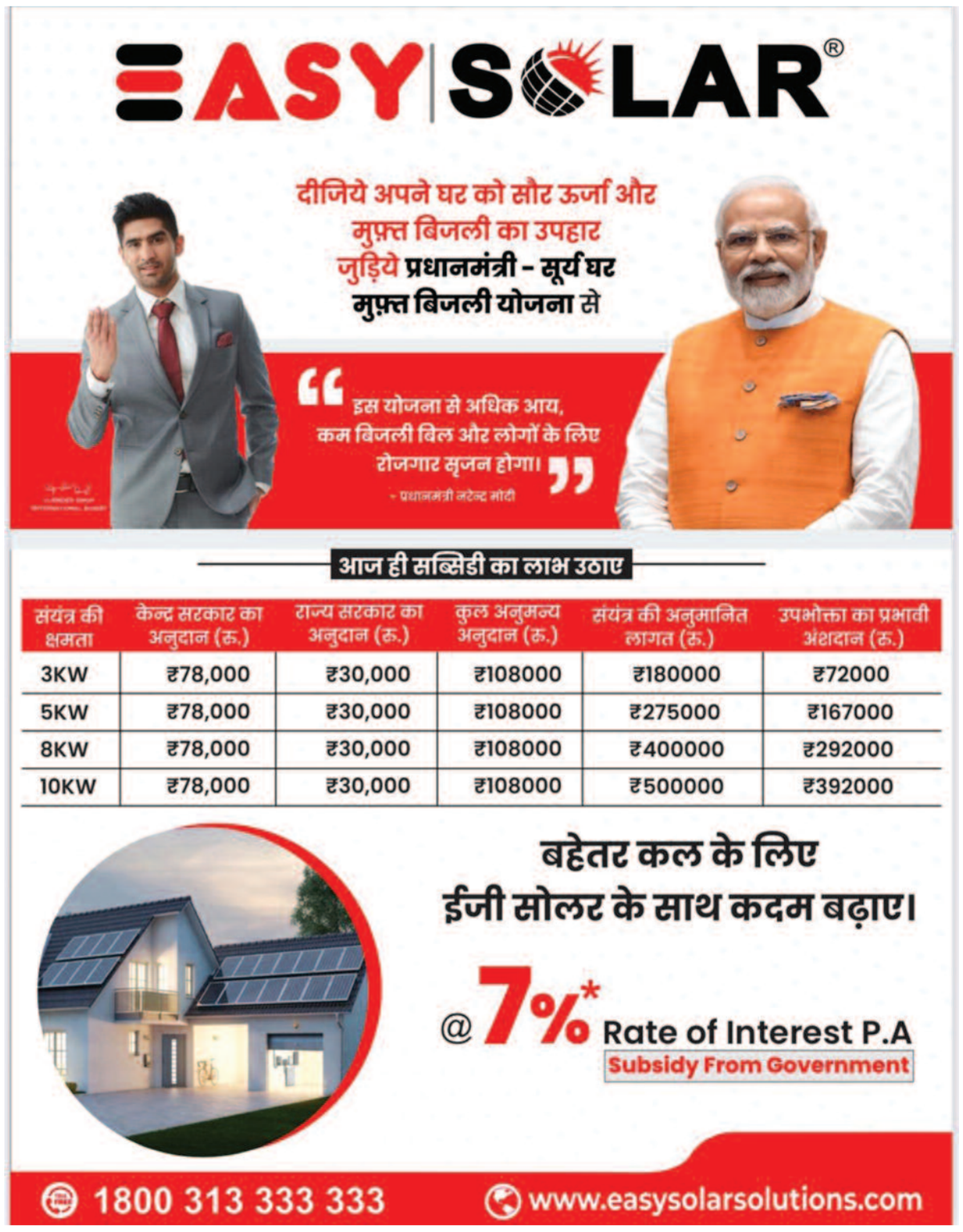

हरनंदीपुरम योजना के लिए हुई पहली रजिस्ट्री

जीडीए उपाध्यक्ष अतुल वत्स का ड्रीम प्रोजेक्ट धरातल पर उतरने को तैयार

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

- गाजियाबाद में स्मार्ट, सुरक्षित और समावेशी टाउनशिप की दिशा में बड़ा कदम
- ग्राम नंगला फिरोज मोहनपुर की निवासी रूबी को उनके खसरा संख्या 364 मि०, रकबा 0.0759 हेक्टेयर भूमि के एवज में
- 43,71,840 (तेंतालीस लाख इकहत्तर हजार आठ सौ चालीस रुपये) मुआवजा का चेक उपाध्यक्ष ने किया प्रदान

गाजियाबाद। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) की महत्वाकांक्षी हरनंदीपुरम आवासीय योजना में शुक्रवार को पहली रजिस्ट्री सम्पन्न हो गई। ग्राम नंगला फिरोज मोहनपुर की निवासी रूबी पत्नी दीपक कुमार को उनके खसरा संख्या 364 मि०, रकबा 0.0759 हेक्टेयर भूमि के एवज में 43,71,840 (तेंतालीस लाख इकहत्तर हजार आठ सौ चालीस रुपये) का मुआवजा प्रदान किया गया। यह रजिस्ट्री इस बहुप्रतीक्षित योजना की धरातलीय शुरूआत मानी जा रही है।

गाजियाबाद विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष अतुल कुमार वत्स द्वारा निर्देशित यह योजना एक ड्रीम प्रोजेक्ट के रूप में देखी जा रही है, जिसका उद्देश्य गाजियाबाद को स्मार्ट, पर्यावरणीय और नागरिक-केंद्रित शहरी स्वरूप मे विकसित करना है। हरनंदीपुरम योजना की शुरूआत वर्ष 2025 के प्रारंभ में की गई थी। इसका उद्देश्य गाजियाबाद और एनसीआर क्षेत्र के निवासियों को आधुनिक, सुरक्षित और सुनियोजित आवासीय सुविधाएँ उपलब्ध कराना है। यह योजना मई 2025 में मेरठ मंडलायुक्त एवं जीडीए अध्यक्ष ऋषिकेश भास्कर यशोद की अध्यक्षता में आयोजित प्राधिकरण की 169वीं बोर्ड बैठक में अनुमोदित की गई थी।

योजना के अंतर्गत कुल 501 हेक्टेयर भूमि का अधिग्रहण प्रस्तावित है। पहले चरण में 336 हेक्टेयर भूमि का अधिग्रहण किया जाएगा, जो कि जिले के पाँच ग्रामों– मथुरापुर, शमशेर, चंपतनगर, भनेरा खुर्द और नंगला फिरोज–से ली जाएगी। किसानों को उनकी भूमि के सर्किल रेट से चार गुना मुआवजा देने का प्रावधान है। योजना मे भूमि क्रय की कुल लागत 2,384 करोड़ प्रस्तावित है। इसमें से 400 करोड़ की धनराशि उत्तर प्रदेश शासन द्वारा मुख्यमंत्री शहरी विस्तारीकरण योजना के अंतर्गत उपलब्ध कराई जाएगी, जबकि शेष राशि जीडीए द्वारा अपने स्रोतों से जुटाई जाएगी। योजना को चरणबद्ध तरीके से विकसित किया जाएगा ताकि हर कार्य निर्धारित समय में पूर्ण हो सके। इस योजना के सफल क्रियान्वयन के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करने की प्रक्रिया भी तेजी से चल रही है। देश की प्रमुख सलाहकार एजेंसियों से प्रस्ताव आमंत्रित किए गए थे और चयनित एजेंसी को दो माह के भीतर रिपोर्ट सौंपने की समय-सीमा तय की गई है। प्राधिकरण की हरनंदीपुरम योजना न केवल गाजियाबाद के लिए बल्कि पूरे एनसीआर क्षेत्र के लिए एक मिसाल बनेगी। इसके माध्यम से नागरिकों को एक सुरक्षित, समृद्ध और टिकाऊ जीवनशैली का अवसर मिलेगा।

विश्व पर्यावरण दिवस पर नगरायुक्त ने दिया देश को प्लास्टिक मुक्त का संदेश

देश अपनाये रियूज, रिड्यूस, रिसाइकल, पर्यावरण को मिलेगा लाभः विक्रमादित्य सिंह मलिक

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

- उत्तर प्रदेश में गाजियाबाद नगर निगम प्लास्टिक मुक्त अभियान में निभा रहा है अहम भूमिका
- नगर आयुक्त ने साझा की प्लानिंग

गाजियाबाद। भारत मंडपम नई दिल्ली में आयोजित, विश्व पर्यावरण दिवस कार्यक्रम मे गाजियाबाद नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक द्वारा प्रतिभाग किया गया। गाजियाबाद नगर निगम की उपलब्धियों के बारे में प्लानिंग साझा की गई। शहर को प्लास्टिक मुक्त करने के लिए चलाए जा रहे अभियानों के बारे में भी बताया गया। उत्तर प्रदेश में गाजियाबाद नगर निगम प्लास्टिक मुक्त अभियान की वसूली में नंबर वन है बताया गया।

सामाजिक संस्थाओं के सहयोग से गाजियाबाद नगर निगम हर घर से प्लास्टिक को निकल रहा है तथा रिड्यूस रीयूज रीसाइकिल का संदेश जन-जन तक पहुंचाने का कार्य कर रहा है। प्लानिंग को साझा किया गया। इसी क्रम में नगर आयुक्त द्वारा देश भर से आए हुए अतिथियों की समक्ष गाजियाबाद नगर निगम की प्रेजेंटेशन भी वीडियो के माध्यम से दी गई। जिसकी कार्यक्रम में उपस्थित सभी आगंतुकों ने प्रशंसा की। विश्व पर्यावरण दिवस पर आयोजित इस कार्यक्रम में गाजियाबाद के साथ-साथ भोपाल नगर निगम के नगर आयुक्त हरेंद्र नारायण तथा हुबली नगर निगम की नगर आयुक्त डॉक्टर रूद्रेश द्वारा भी अपनी प्रेजेंटेशन दी गई।

नगर आयुक्त द्वारा बताया गया पर्यावरण वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा आयोजित विश्व पर्यावरण दिवस कार्यक्रम में मुख्य रूप से केंद्रीय मंत्री भारत सरकार भूपेंद्र यादव, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता तथा दिल्ली के उपराज्यपाल विनयी कुमार वह अन्य देश के मुख्य अतिथि उपस्थित रहे। जिनके द्वारा प्लास्टिक मुक्त अभियान को लेकर उपस्थित जनों को जागरूक किया गया। इसी क्रम में आयोजित पैनल डिस्कशन में गाजियाबाद नगर निगम के द्वारा चलाए जा रही प्लास्टिक मुक्त अभियान की जानकारी विस्तृत रूप से कार्यक्रम में दी गई। भव्य कार्यक्रम में गाजियाबाद नगर निगम का भी स्टॉल लगाया गया जिसमें गाजियाबाद में निगम द्वारा किए जा रहे कार्यों की तथा वेस्ट प्लास्टिक से बने हुए उपयोगी सामान प्रदर्शनी भी लगाई गई। महापौर सुनीता दयाल तथा नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक के नेतृत्व में गाजियाबाद नगर निगम प्लास्टिक मुक्त अभियान पर विशेष कार्य कर रहा है।

नगर आयुक्त द्वारा दिल्ली में आयोजित भव्य कार्यक्रम में गाजियाबाद नगर निगम की भव्यता से प्रेजेंटेशन दी गई। जिसमें हर घर को रीयूज रिड्यूस रीसायकल मुहिम में जुड़कर जनहित में कार्य करने की अपील की गई जो की सराहनीय है।

विश्व पर्यावरण दिवस पर निगम ने लगाये 2000 पौधे

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। महापौर सुनीता दयाल तथा नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक के नेतृत्व में नगर निगम द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस पर शहर में पौधारोपण की अनेको कार्यक्रम आयोजित किए गए। जिसमें सभी वार्डों के अंदर 10-10 पौधे पार्षदों के द्वारा लगाए गए। उद्यान विभाग की टीम मौके पर बनी रही इसी क्रम में महापौर तथा नगर आयुक्त द्वारा हिंडन घाट पर भी विशेष सफाई अभियान चलाया गया। जिसमें सफाई मित्रों के साथ-साथ कई सामाजिक संस्थाओं द्वारा भी नगर निगम का सहयोग करते हुए हिंडन घाट की सफाई की गई। विश्व पर्यावरण दिवस पर हिंडन घाट की सफाई के बाद इंदिरापुरम स्थित अर्बन फॉरेस्ट पहुंचकर नगर निगम द्वारा पौधारोपण किया गया तथा शहर वासियों को विश्व पर्यावरण दिवस की शुभकामनाएं दी गई। महापौर तथा नगर आयुक्त द्वारा कार्यक्रम के क्रम में ही मुख्यमंत्री को भी जन्मदिन दिवस की शुभकामनाएं दी गई। कार्यक्रम में पार्षद आनंद गौतम, पार्षद अमित त्यागी, पार्षद संजय सिंह व अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। नगर निगम अधिकारियों तथा सामाजिक संस्थाओं ने मिलकर विश्व पर्यावरण दिवस कार्यक्रम भव्य रूप से मनाया गया। स्वच्छ शहर हरित शहर की महापौर ने शपथ दिलाई। इस मौके पर महापौर द्वारा बताया गया कि गाजियाबाद नगर निगम द्वारा हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया । जिसमें पार्षदों तथा अधिकारियों ने मिलकर पौधारोपण किया तथा हिंडन घाट पर सफाई की गई। पौधारोपण के क्रम में 2000 पौधे शहर में लगाए गए। गाजियाबाद में सभी कार्य मुख्यमंत्री के दिए गए निर्देशों के अनुपालन में हो रहे हैं। मुख्यमंत्री को जन्मदिवस की शुभकामनाएं प्रेषित की गई। नगर आयुक्त द्वारा भी इसी क्रम में शहर की ऐसी भूमि जो रिक्त है जिन पर कूड़ा डाला हुआ है उनको हटाते हुए प्लांटेशन करने की श्रृंखला को आगे बढ़ाने की लिए टीम को मोटिवेट किया विश्व पर्यावरण दिवस की शुभकामनाएं दी गई। गाजियाबाद नगर निगम की ब्रांड एंबेसडर रामवीर तंवर पॉन्ड मैन भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे जिनके द्वारा पूर्व में लगाए हुए पौधों का निरीक्षण महापौर तथा नागरिक को कराया गया पूर्व में लगाए हुए पौधे अब वृक्ष बन चुके हैं।

जीडीए उपाध्यक्ष अतुल वत्स के निर्देश पर

राजनगर एक्सटेंशन में चला अतिक्रमण विरोधी अभियान

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

- जाम से मिली निजात
- जीडीए ने मेरठ रोड से राजनगर एक्सटेंशन की मुख्य बंधा रोड पर अतिक्रमण को हटाया

गाजियाबाद। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) ने वीरवार को मेरठ रोड से बन्धा रोड, राजनगर एक्सटेंशन को जोड़ने वाली 45 मीटर चौड़ी सड़क पर किए गए अवैध अतिक्रमण को सफलतापूर्वक हटाकर हजारों शहरवासियों को यातायात जाम से मुक्ति दिलाई। यह अतिक्रमण लंबे समय से लोगों के लिए भारी ट्रैफिक और अनावश्यक देरी का कारण बना हुआ था, जिससे उनकी दैनिक जीवनचर्या बाधित हो रही थी।

इस समस्या को लेकर ट्रैफिक पुलिस द्वारा भी पत्र के माध्यम से जीडीए को अवगत कराया था। जीडीए उपाध्यक्ष अतुल वत्स ने 30 मई को हुई एक समीक्षा बैठक में इस गंभीर समस्या पर गंभीरता से विचार किया और सड़क के दोनों ओर से अतिक्रमण हटाने के तत्काल निर्देश दिए। इन्हीं निदेशों का पालन करते हुए, प्रवर्तन जोन-1 ने 5 जून को सुबह 10 बजे दो विशेष टीमों के साथ अतिक्रमण हटाओ अभियान शुरू किया जोंकि पूरे दिन जारी रहा। अभियान के दौरान स्थानीय विकासकर्ताओं और निर्माणकताओं की ओर से कुछ विरोध का सामना करना पड़ा, लेकिन गठित टीम ने स्थिति को नियंत्रित करते हुए ध्वस्तीकरण की कार्रवाई जारी रखी। स्थल पर ध्वस्तीकरण की कार्यवाही के समय अधिशासी अभियन्ता, सहायक अभियन्ता, अवर अभियन्ता उपस्थित रहें। इस कार्रवाई से राजनगर एक्सटेंशन की मुख्य मानी जाने वाली सड़क अब पूरी तरह से जाम मुक्त व यातायात के लिए सुगम हैं, इससे क्षेत्र के हजारों निवासियों को बड़ी राहत मिलेगी। जीडीए शहर को बेहतर यातायात सुगम और अन्य सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए कार्यरत है और यह कदम स्थानीय लोगों के आवागमन को आसान बनाने के लिए उठाया गया है। आगामी माह में भी गाज़ियाबाद की सड़को को अतिक्रमण मुक्त करने का अभियान जीडीए द्वारा जारी रहेगा। साथ ही राजनगर एक्सटेंशन की अन्य सड़को के निर्माण का कार्य भी कराया जा रहा है जिससे यातायात की समस्या से लोगो को निजात मिल सके।

जीपीडीपी, पीडीआई समिति सदस्यों, मॉडल ग्राम पंचायत प्रतिनिधियों को दिया गया एक दिवसीय प्रशिक्षण

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। डीआर.सी., पंचली खुर्द, मेरठ न गुरुवार को गाजियाबाद के विकास भवन के दुर्गावती सभागार में जीपीडीपी, पीडीआई समितियां के सदस्यों, मॉडल ग्राम पंचायत के प्रतिनिधियों, तथा मीडियाकर्मियों का एक दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। सीडीओ अभिनव गोपाल व परियोजना अधिकारी प्रदीप कुमार पांडे ने प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्जवलित करके किया। कार्यक्रम में जिला पंचायत राज अधिकारी प्रदीप कुमार द्विवेदी ने पंचायती राज व्यवस्था पर सभी प्रतिभागियों को जानकारी दी। राष्ट्रीय प्रशिक्षक सुमन उपाध्याय द्वारा सतत विकास के लक्षण का स्थानीयकरण पर, राष्ट्रीय प्रशिक्षक ब्रजवीर दहिया द्वारा एलएसडीजी 09 थीम/ थीमेटिक इंडेक्स आदि विषयों पर सभी जनपद स्तरीय अधिकारियों, प्रतिनिधियों, मीडिया कर्मियों को विस्तार से जानकारी दी गई। प्रशिक्षण के दौरान जिला पंचायत राज अधिकारी व अन्य जनपद स्तरीय अधिकारी, समस्त प्रशिक्षक, चरन जीत, मेरठ व डॉ दीपक सिंह, वरिष्ठ फैकल्टी, डीपीआरसी हापुड़ उपस्थित रहे।

सप्ताहिक पैठ बाजारों को व्यवस्थित बनाएगी टाउन वेंडिंग कमेटी

पुलिस तथा नगर निगम अधिकारी संयुक्त रूप से करें कामः नगर आयुक्त

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। महापौर सुनीता दयाल तथा नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक के निर्देश अनुसार नगर निगम की टीम साप्ताहिक पैठ बाजारों को व्यवस्थित करने में लगी हुई है। जिसमें समस्त जोन के प्रभारी सर्वे का कार्य भी कर रहे हैं, पथ विक्रेताओं के रजिस्ट्रेशन हेतु टीम की कार्यवाही प्रारंभ करने हेतु योजना बनाई जा रही है। नगर आयुक्त की अध्यक्षता में टाउन वेंडिंग कमेटी की बैठक हुई। सभी संबंधित पुलिस विभाग व अन्य सदस्य उपस्थित रहे। जिसमें पार्षद राजीव शर्मा तथा पार्षद ओमप्रकाश भी सदस्य के रूप में उपस्थित रहे। नगर आयुक्त द्वारा बताया गया कि नगर निगम सीमा अंतर्गत लगने वाले साप्ताहिक पैठ बाजारों को व्यवस्थित करने के लिए टाउन वेंडिंग कमेटी को बुलाया गया। बैठक में सभी सदस्यों द्वारा अपने-अपने विचार रखे गए तथा पथ विक्रेताओं के रजिस्ट्रेशन को लेकर मंथन हुआ। गाजियाबाद के विक्रेताओं को प्राथमिकता दी जाए चर्चा की गई। ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया प्रारंभ करने के लिए नगर आयुक्त द्वारा जोनल प्रभारी व टाउन वेंडिंग कमेटी के सदस्यों को संयुक्त रूप से कार्य करने के निर्देश दिए तथा पैठ बाजारों के संगठनों से सूची लेते हुए चर्चा की गई। रजिस्ट्रेशन में सभी विक्रेताओं द्वारा यूजर चार्ज व अन्य शुल्क ऑनलाइन माध्यम से ही जमा करना होगा जो सीधा निगम को प्राप्त होगा। पुलिस विभाग द्वारा भी अवैध अतिक्रमण हटाने के बाद व्यवस्था को बनाए रखने के लिए निर्देश दिए गए। नगर निगम अधिकारी तथा पुलिस विभाग संयुक्त रूप से कार्य करें मोटिवेट किया गया बैठक में एडीसीपी ट्रैफिक सच्चिदानंद भी उपस्थित रहे। गाजियाबाद नगर निगम टीम कुशल नेतृत्व में शहर की जन समस्याओं के समाधान में जुटी हुई है। अपर नगर आयुक्त अवनींद्र कुमार को बैठक के दौरान नगर आयुक्त ने संपूर्ण योजनाओं को बनाते हुए रजिस्ट्रेशन की कार्यवाही प्रारंभ करने के निर्देश दिए गए। मार्गो को आवागमन हेतु सरल बनाए रखने के लिए शीघ्र ही टाउन वेंडिंग कमेटी निर्णय लेगी तथा ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन के लिए आवश्यक दस्तावेज की संपूर्ण जानकारी नजदीकी जोनल कार्यालय में जाकर पथ विक्रेता ले सकते हैं। बैठक में उपस्थित जनों को बताया गया।

मोदी सरकार के 11 वर्षों की उपलब्धियों पर विशेष जनजागरूकता अभियान का शुभारंभ

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 11 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में #विकसित भारत का अमृतकाल सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण# विषय पर एक विशेष जन जागरूकता अभियान 9 जून से 21 जून तक प्रदेश व्यापी स्तर पर संचालित किया जाएगा। इसी क्रम में वीरवार को गोल्डन व्यू रिजॉर्ट, राजनगर एक्सटेंशन, गाजियाबाद में एक महानगर स्तरीय विशेष संगठनात्मक कार्यशाला का सफल आयोजन किया गया। कार्यशाला के मुख्य वक्ता भारतीय जनता पार्टी के क्षेत्रीय अध्यक्ष सतेन्द्र शिशौदिया ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बीते 11 वर्षों में देश ने अभूतपूर्व प्रगति की है। यह अभियान उस विकास गाथा को जन-जन तक पहुंचाने का एक संगठित प्रयास है। संगठन के प्रत्येक कार्यकर्ता की सक्रियता, सहभागिता और प्रतिबद्धता ही इस अभियान की सफलता की कुंजी है। हमें मंडल, शक्ति केंद्र और बूथ स्तर तक इस भावना को ले जाना है कि #विकसित भारत # सबका साथ, सबका प्रयास केवल एक नारा नहीं, बल्कि हमारी कार्यशैली का मूल आधार है। सतेन्द्र शिशौदिया ने आगे बात बढ़ाते हुए कहा वृक्षारोपण कार्यक्रम 5 जून से चलकर 15 दिन तक लगातार चलेगा। जिसमें प्रत्येक व्यक्ति पांच पौधे लगाते हुए एक पौधा मां के नाम लगाएगा। 23 जून को श्यामा प्रसाद मुखर्जी का बलिदान दिवस,25 जून को आपातकाल का काला दिवस मनाया जाएगा। जिसके लिए प्रदर्शनी और संगोष्ठी का आयोजन किया जाएगा।

इस अवसर पर सांसद अतुल गर्ग ने अपने संबोधन में कहा कि मोदी सरकार ने बीते 11 वर्षों में राष्ट्र के हर क्षेत्र – आधारभूत संरचना, तकनीक, शिक्षा, स्वास्थ्य, और सामाजिक सुरक्षा – में क्रांतिकारी परिवर्तन किए हैं। यह अभियान हमें यह अवसर देता है कि हम इन उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाएं और जनता को बताएँ कि नया भारत अब केवल सपना नहीं, साकार होती हकीकत है। गाजियाबाद की जनता ने हमेशा विकास का साथ दिया है और इस अभियान में भी उनका सहयोग निर्णायक रहेगा। कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा ने कहा कि आज भारत वैश्विक मंच पर एक सशक्त राष्ट्र के रूप में उभर रहा है और इसका श्रेय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व को जाता है। इस जनजागरूकता अभियान के माध्यम से हम न केवल सरकार की ऐतिहासिक उपलब्धियों को उजागर करेंगे, बल्कि यह भी संदेश देंगे कि उत्तर प्रदेश और गाजियाबाद ने इस विकास यात्रा में अहम भूमिका निभाई है। हम सभी कार्यकर्ताओं को प्रेरित करते हैं कि वे जन-जन तक यह संदेश पहुंचाएं और उन्हें इस बदलाव का सहभागी बनाएं। महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल ने अभियान की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए बताया कि इस अभियान के लिए रनिता सिंह को महानगर संयोजक, गुंजन शर्मा, गौरव चोपड़ा एवं विनोद कसाना को सह-संयोजक बनाया गया है। उन्होंने क्षेत्रीय अध्यक्ष महोदय, विशिष्ट अतिथिगण, और सभी सहभागी सदस्यों, आज की इस महत्वपूर्ण कार्यशाला के समापन अवसर पर मैं आप सभी का हृदय से धन्यवाद एवं आभार प्रकट करता हूँ। इस कार्यशाला के माध्यम से हमने जिन विचारों, योजनाओं और कार्यनीतियों पर विचार-विमर्श किया है, वे निश्चित ही हमारे आगामी कार्यों के लिए दिशा-निर्देशक सिद्ध होंगे। मैं कार्यशाला के आयोजकों, सभी वक्ताओं, सहभागी गण, तकनीकी और व्यवस्थापकीय टीम का विशेष धन्यवाद करता हूँ, जिनके प्रयासों से यह कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हो सका। इस मौकें पर क्षेत्रीय अध्यक्ष सतेन्द्र शिशौदिया, कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा, सांसद अतुल गर्ग, महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल, पूर्व महापौर आशु वर्मा, आशा शर्मा, पूर्व विधायक कृष्ण वीर सिरोही, रूप चौधरी, पूर्व अध्यक्ष अमरदत्त शर्मा, अशोक मोंगा, विजय मोहन, अजय शर्मा, पवन गोयल, महेश अग्रवाल, राजेश्वर प्रसाद, योगेश त्रिपाठी, रुचि गर्ग, अनीता शर्मा, रनिता सिंह, इंदु जौहरी, पूनम कौशिक, साक्षी नारंग, पप्पू पहलवान, राजेश त्यागी, गोपाल अग्रवाल, सुशील गौतम, बॉबी त्यागी, गुंजन शर्मा, विनोद कसाना, संजय रावत, चमन चौहान, संजीव झा, महेंद्र यादव, बब्बल यादव, कामेश्वर त्यागी, प्रदीप चौधरी सहित मंडल अध्यक्षगण, मंडल संयोजक, सह संयोजक, शक्ति केंद्र संयोजक, मोर्चा एवं प्रकोष्ठ प्रमुख, तथा बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

ये रहेंगे कार्यक्रम

8 जून: भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष व केंद्रीय मंत्रियों द्वारा मीडिया संवाद।
9 जून: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी द्वारा लखनऊ में प्रदर्शनी का उद्घाटन।
10-11 जून: गाजियाबाद सहित सभी जिलों में केंद्र सरकार की उपलब्धियों पर आधारित प्रदर्शनी व प्रोफेशनल मीट।
9 जून से 9 जुलाई: पोर्टल पर डिजिटल प्रतियोगिता बदलता भारत मेरा अनुभव (वीडियो, ब्लॉग, क्विज)।
12-14 जून: सभी मंडलों में विकसित भारत संकल्प सभा।
15-17 जून: शक्ति केंद्रों पर चौपाल कार्यक्रम एवं आयुष्मान कार्ड वितरण कैम्प।
21 जून: अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर मंडलस्तरीय योग शिविर।

अतुल ऑटो के नवीन शोरूम का कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा ने किया उद्घाटन

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। शहर को प्रदूषण मुक्त रखने के उद्देश्य को लेकर शहर के उद्यमी शतत प्रयत्नशील रहे है इसी कड़ी को आगे बढ़ाते हुए गाजियाबाद शहर में मेरठ रोड, मेट्रो पिलर नंबर 595 स्थित अतुल ऑटो के नवीन शोरूम का उद्घाटन कैबिनेट मंत्री सूचना प्रौद्योगिकी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स उत्तर प्रदेश सरकार सुनील कुमार शर्मा के कर कमलों द्वारा सम्पन्न हुआ । जिसमें ट्रांसपोर्ट कमिश्नर आरटीओ गाजियाबाद ने स्पेशल गेस्ट के रूप में प्रतिभाग किया।

अतुल ऑटो मे सवारी श्री व्हीलर एवं लोडर श्री व्हीलर जो इलेक्ट्रिक द्वारा चार्ज होंगे शहर एवं ग्रामीण अंचलो के ग्राहकों को आसान किश्तों पर मिलेंगे। इलेक्ट्रिक तिपहिया वाहन की विशेषताओ पर प्रकाश डालते हुए अतुल ऑटो के जी डी एम मनोज जोशी ने बताया कि इनमे 10 किलोवाट की मोटर लगी है साथ ही 13.2 किलोवाट की हाई पॉवर बैटरी है जो एक बार चार्ज करने पर 207 किलो मीटर तक चलती है। उन्होंने बताया की मात्र 50 से 60 रुपए की चार्जिंग पर 200 से अधिक किलोमीटर तक यह तिपहिया वाहन चलेगा जो डीजल एवं पेट्रोल तथा सी एन जी की अपेक्षा काफी सस्ता है साथ ही इसमे प्रदूषण भी नहीं फैलेगा। इस तिपहिया वाहन की सबसे बड़ी विशेषता ड्राइवर व सवारियों के लिए पर्याप्त जगह के साथ साथ अपनी रेंज का बड़ा सवारी वाहन है इसकी बाडी मैटेलिक तथा काफी मजबूत है आगे पीछे डबल शॉकर होने की वजह से सवारी तथा ड्राइवर को काफी आराम मिलती है तथा सड़क से बाडी कभी टकराती भी नहीं है यह मात्र 4 घंटे मे चार्ज हो जाता है।

इस अवसर पर कंपनी के डीजीएम मनोज जोशी, डिप्टी मैनेजर एचपी सिंह, डिप्टी मैनेजर अभिषेक शर्मा तथा शहर के कई प्रतिष्ठित व्यक्ति उपस्थित रहे।

गाजियाबाद की बेटी आस्था त्यागी ने रोशन किया नाम

भारतीय नौसेना की जज एडवोकेट जनरल (जेईजी) शाखा में सब लेफ्टिनेंट के पद पर हुई चयनित

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। आस्था त्यागी जो वसुंधरा सेक्टर 14 अशोका सोसाइटी की रहने वाली है । अत्यधिक प्रतिस्पर्धी यूपीएससी परीक्षा उत्तीर्ण कर भारतीय नौसेना की प्रतिष्ठित जज एडवोकेट जनरल (जेईजी) शाखा में सब लेफ्टिनेंट के रूप में के लिए चयनित होकर गाजियाबाद का नाम रोशन किया और समस्त त्यागी समुदाय और देश को आस्था त्यागी की अभूतपूर्व सफलता पर गर्व है। उनकी यह उपलब्धि न केवल उनके परिवार के लिए गौरव का क्षण है, बल्कि अनगिनत युवाओं के लिए प्रेरणा स्रोत भी है। मोरौनी, बुलंदशहर, उत्तर प्रदेश की मूल निवासी आस्था त्यागी, वरिष्ठ कमांडेंट, सीआईएसएफ सुचित त्यागी और बाड़म, मेरठ, उत्तर प्रदेश, की मूल निवासी सुषमा त्यागी जो दिल्ली उच्च न्यायालय में अभ्यास कर रही अधिवक्ता व मध्यस्थता विशेषज्ञ की सुपुत्री हैं। आस्था की यह यात्रा उनके समर्पण, दृढ़ता और राष्ट्र सेवा के प्रति अटूट प्रतिबद्धता का प्रमाण है। बचपन से ही आस्था ने अपनी पढ़ाई में असाधारण प्रदर्शन किया और कानून व न्याय के प्रति गहरी रुचि दिखाई। आस्था ने अपनी स्कूली पढ़ाई डीएवी श्रेष्ठा विहार, दिल्ली, और बीए-एलएलबी की पढ़ाई प्रतिष्ठित विवेकानंद इंस्टीट्यूट ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज एवं एलएलएम की पढ़ाई राजीव गाँधी नेशनल इंटीट्यूट ऑफ लॉ से की। शिक्षा के अलावा आस्था त्यागी राष्ट्रीय स्तर पर बैडमिंटन, फुटबॉल और चौकबॉल में उम्दा प्रदर्शन किया। इसके अलावा वह स्टेट लेवल पर बास्केटबाल और लॉन्ग जंप की भी खिलाड़ी रही है। एन सी सी में आस्था ने रूस जाकर भारत का प्रतिनिधीत्व किया और सी सर्टिफिकेट प्राप्त किया। आस्था ने रिपब्लिक डे परेड कैंप में भी भाग लिया और दिल्ली से बेस्ट कैडेट आर्मी चुनी गई। उनके कठोर परिश्रम और परिवार व गुरुजनों के समर्थन से यह भव्य सफलता प्राप्त हुई। भारतीय नौसेना में जेएजी शाखा कानूनी सलाह प्रदान करने और सैन्य कानून के उचित प्रशासन को सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इस शाखा में सब लेफ्टिनेंट के रूप में, आस्था त्यागी न्याय बनाए रखने, कानूनी मामलों पर सलाह देने और नौसेना बलों के नैतिक ढांचे में योगदान करने के लिए जिम्मेदार होंगी। यह उल्लेखनीय है कि आस्था की एक छोटी बहन आकांक्षा त्यागी भी भारतीय नौसेना में चयनित हुई है, जो उनके परिवार की राष्ट्र सेवा के प्रति प्रतिबद्धता को दशार्ता है। संपूर्ण त्यागी परिवार और शुभचिंतकों ने सब लेफ्टिनेंट आस्था त्यागी को भारतीय नौसेना में एक उज्ज्वल और समृद्ध भविष्य के लिए हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। उनकी उपलब्धि आशा की किरण है और एक गौरवपूर्ण क्षण है, यह दशार्ता है कि कड़ी मेहनत और दृढ़ संकल्प से कोई भी सपना पूरा किया जा सकता है। हम सब लेफ्टिनेंट आस्था त्यागी को उनके भविष्य के प्रयासों के लिए शुभकामनाएं देते हैं और सेवा और सम्मान के मार्ग को चुनने के लिए उनकी सराहना करते हैं।

हिंडन एयरपोर्ट सलाहकार समिति में सदस्य बने संजीव गुप्ता ने सांसद अतुल गर्ग का आभार जताया

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। सांसद अतुल गर्ग के विदेशी दौरे से लौटने के पश्चात समरकूल ग्रुप के चेयरमैन संजीव कुमार गुप्ता ने उनके निवास जाकर हिंडन एयरपोर्ट सलाहकार समिति में सदस्य नामित किये जाने पर सांसद अतुल गर्ग का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर संजीव कुमार गुप्ता ने कहा कि माननीय सांसद जी सभी कार्यकताओं का बहुत ध्यान रखते हैं। किसी भी व्यक्ति की कोई भी समस्या है तो हमारे सांसद जी के घर के दरवाजे सदैव खुले रहते हैं। इनकी इसी सादगी के कारण वह अपने क्षेत्र में बहुत लोकप्रिय है। मुझे हिंडन एयरपोर्ट सलाहकार समिति का सदस्य बनवाये जाने पर हमारा समस्त परिवार बडे.भाईसाहब अतुल जी का आभार व्यक्त करता है। इस अवसर पर सांसद प्रतिनिधि राजेन्द्र मित्तल मेदी वाले और हिंडन एयरपोर्ट सलाहकार समिति के सदस्य संजीव मित्तल भी उपस्थित रहें।

उत्तर प्रदेश एसोसिएशन ऑफ जर्नलिस्ट की गाजियाबाद इकाई का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। उत्तर प्रदेश एसोसिएशन ऑफ जर्नलिस्ट (उपज) की गाजियाबाद इकाई का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि के रुप में नेशनल यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट्स इण्डिया के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष उमेश चतुर्वेदी, मुख्य वक्ता के रुप में उपज के प्रदेश अध्यक्ष सर्वेश कुमार सिंह, विशिष्ट अतिथि के रुप में जिला सूचना अधिकारी योगेन्द्र प्रताप सिंह, वरिष्ठ पत्रकार डॉ. प्रसून शुक्ला, वरिष्ठ पत्रकार, कवि व शायर राज कौशिक, उपज प्रदेश मंत्री अजय चौधरी, सुनीता उपाध्याय, गाजियाबाद बार एसोसिएशन के पूर्व सचिव मनमोहन शर्मा मौजूद रहे। सभी आगंतुकों का उपज गाजियाबाद के जिलाध्यक्ष विशाल कौशिक ने पुष्प गुच्छ व स्मृति चिन्ह भेंट कर अभिनंदन किया। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष सर्वेश कुमार सिंह ने उपज द्वारा अभी तक किये गये कार्यों के बारे में विस्तृत रुप से जानकारी दी। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष उमेश चतुर्वेदी, वरिष्ठ पत्रकार राज कौशिक और डॉ. प्रसून शुक्ला ने पत्रकारिता की बारिकीयों से अवगत कराते हुए पत्रकारों के सामने आने वाली चुनौतियों के बारे में बताया। प्रदेश अध्यक्ष सर्वेश कुमार सिंह ने जिलाध्यक्ष विशाल कौशिक सहित समस्त टीम को शपथ ग्रहण कराई।

शपथ ग्रहण करने वालों में जिलाध्यक्ष विशाल कौशिक, उपाध्यक्ष सुदामा पाल, राम अवध भगत, महामंत्री नन्द किशोर उपाध्याय, संयुक्त महामंत्री रविन्द्र चतुर्वेदी, कोषाध्यक्ष मनुराज कौशिक, सह कोषाध्यक्ष प्रशांत गुप्ता, मीडिया प्रभारी अजीत रावत, कार्यकारिणी सदस्य जितेंद्र कौशिक, हरेन्द्र, राजीव आनंद, दिव्यांश भटनागर, अजय चौहान, आशा चौधरी, संदीप ब्रहभट्ट, संजीव शर्मा ने शपथ ग्रहण की।

राज्यमंत्री नरेंद्र कश्यप व विधायक अजीतपाल त्यागी ने रोपा सिंदूर का पौधा

संजय नगर के मुख्य मार्ग का नाम होगा सिंदूर मार्ग

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। संजय नगर हनुमान मंगलमय परिवार ट्रस्ट/ परमार्थ सेवा ट्रस्ट के चेयरमैन वी के अग्रवाल की 47 वी शादी की सालगिरह के उपलक्ष में अपने आवास के बाहर उत्तर प्रदेश सरकार के स्वतंत्र प्रभार मंत्री नरेंद्र कश्यप, पूर्व राज्यसभा सांसद डॉक्टर अनिल अग्रवाल, मुरादनगर विधानसभा क्षेत्र के विधायक अजीत पाल त्यागी, विश्व ब्रह्मऋषि ब्राह्मण महासभा के पीठाधीश्वर ब्रह्मऋषि विभूति बीके शर्मा हनुमान, क्षेत्रीय पार्षद पप्पू नगर, राजनगर पार्षद प्रवीण चौधरी के कर कमलो द्वारा सिंदूर का पौधा रोपण किया गया। ब्रह्मऋषि विभूति बीके शर्मा हनुमान ने बताया कि भारतीय संस्कृति में 'सिंदूर' केवल सौंदर्य नहीं, बल्कि सुहाग, समर्पण, बलिदान और शक्ति का प्रतीक है। यह वो पावन लाल रंग है जो शादीशुदा स्त्रियों के मांग में शोभा बढ़ाता है, तो वहीं किसी वीरता भरे मिशन को जब 'ऑपरेशन सिंदूर' नाम दिया जाता है, तब वह दुश्मनों को चेतावनी बन जाता है। जिस सैन्य कार्रवाई को 'ऑपरेशन सिंदूर' नाम दिया गया, उसने इस शब्द को एक बार फिर राष्ट्रीय भावना और सांस्कृतिक मूल्यों से जोड़ दिया।

इसी बीच सिंदूर की चर्चा हर तरफ चल रही है। यहां तक कि एंट्रेंस परीक्षा में भी सिंदूर की पैदावार से जुड़े कई सवाल पूछे जाते हैं। सिंदूर, जो एक महिला के प्रेम और प्रतीक्षा का प्रतीक है, अब देश की सैन्य चेतना में भी वही भावना भर रहा है। क्या आप जानते हैं कि यह गाढ़ा लाल रंग प्राकृतिक रूप से किस फल से प्राप्त होता है? सभी अतिथियों ने अपने एक स्वर में कहा कि जब तक सूरज, चांद, जल,वायु, अग्नि, पृथ्वी, रहेगी तब तक सिंदूर रहेगा और कोई भी असामाजिक तत्व सिंदूर का कोई बाल बांका नहीं कर सकेगा युद्धकाल में राजाओं द्वारा युद्ध का उद्घोष करते समय, सैनिकों के ललाट पर सिंदूर लगाया जाता था जो विजय का संकल्प दशार्ता था। आज जब पहलगाम के बर्बर आतंकी हमले के बाद भारत द्वारा 'ऑपरेशन सिंदूर' जैसी सैन्य कार्रवाई को यह नाम दिया जाता है, तो यह दशार्ता है कि देश के जवान, भारत की सेना, देश की मांग की रक्षा में सदैव खड़े रहेंगे। इस अवसर पर क्षेत्र के सैकड़ो देश भक्त मौजूद थे।

सम्पादकीय

जीत का जश्न बना मातम

बेंगलुरु के चिन्नास्वामी स्टेडियम के पास जुटी भीड़ के अनियंत्रित हो जाने के बाद भगदड़ में ग्यारह लोगों की मौत और तीस से ज्यादा लोगों के घायल होने की घटना एक बार फिर आयोजन में बरती गई घोर लापरवाही का ही उदाहरण है। हैरानी की बात यह है कि वहां क्रिकेटप्रेमियों की जितनी बड़ी संख्या जुटी थी, उसमें आशंका के बावजूद कई स्तर पर सुरक्षा इंतजामों की अनदेखी की गई और एक तरह से हादसे की जमीन तैयार होने दी गई। गौरतलब है कि इंडियन प्रीमियर लीग प्रतियोगिता के तहत रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने अठारह वर्षों के बाद खिताबी जीत हासिल की थी। इस जीत पर आम लोगों का खुशी जाहिर करना स्वाभाविक था, लेकिन वहां हालात ऐसे हो गए कि इस क्रम में उम्मीद से काफी ज्यादा लोग जमा हो गए। इसके बाद स्टेडियम में प्रवेश करने की एक जगह अव्यवस्था फैल गई और फिर भगदड़ मच गई। नतीजा बेहद त्रासद साबित हुआ, जिसमें अपनी पसंदीदा टीम की जीत पर जश्न मनाने पहुंचे कई लोगों की भगदड़ में कुचल कर मौत हो गई और कई बुरी तरह घायल हो गए। सवाल है कि मैचों का आयोजन करने के लिए जिम्मेदार संबंधित क्रिकेट संगठन और पुलिस के लिए इस बात का अंदाजा लगाना जरूरी क्यों नहीं लगा कि जितनी बड़ी तादाद में लोग वहां इकट्ठा हो गए थे और मैच के नतीजे के बाद से ही जश्न मनाने का जो स्वरूप देखने में आ रहा था, उसके बाद कैसे हालात पैदा हो सकते हैं। यह भी खबर आई कि करीब पैंतीस हजार लोगों के आने की उम्मीद थी, लेकिन वहां दो से तीन लाख लोग आ गए। इस बात की जिम्मेदारी तय की जानी चाहिए कि स्टेडियम की क्षमता से करीब दस गुना ज्यादा लोगों के वहां पहुंचने के क्या कारण थे और उन्हें एक जगह पर जमा होने से रोकने के लिए क्या इंतजाम किए गए। जीत के कुछ समय बाद जश्न मनाने के बजाय इतनी जल्दी कार्यक्रम की इजाजत क्यों और किस स्तर पर दी गई? क्या मुफ्त पास मिलने की खबर के बाद जश्न में शामिल होने वाले लोगों की संख्या और पैदा होने वाली स्थितियों या आशंकाओं का आकलन किया गया? इस तरह के जश्न मनाए जाने की घोषणा और कार्यक्रम शुरू होने के बीच कितना समय था और इसमें लोगों की भीड़ से निपटने के लिए कैसी तैयारी की गई? विडंबना यह है कि किसी खेल में जीत-हार को खेल भावना के तहत ही देखने और संयमित अभिव्यक्ति की संस्कृति को बढ़ावा देने को लेकर सरकार और खेल संगठन शायद ही कभी गंभीर होकर सोचते हैं। इसके अलावा, देश भर में आए दिन धार्मिक आयोजनों सहित अलग-अलग तरह के कार्यक्रमों में लोगों के जमावड़े और उसके बाद अव्यवस्था की वजह से होने वाली भगदड़ में लोगों की जान जाने की घटनाएं होती रहती हैं। हर बार इस तरह की त्रासदी को महज हादसा मान कर आमतौर पर नजरअंदाज कर दिया जाता है। लेकिन शायद ही कभी भगदड़ की किसी घटना से सबक लेकर लोगों की संख्या, जुटने के लिए नियम-कायदे और भगदड़ रोकने के लिए हर स्तर पर व्यवस्था और सुरक्षा उपाय सुनिश्चित करने पर जोर दिया जाता है। हालत यह है कि जब किसी वजह से भगदड़ मच जाती है, तब बचाव और राहत कार्यों के लिए भी पुख्ता इंतजाम नहीं किए जाते। नतीजतन, किसी अफवाह या अप्रत्याशित कारण से अचानक ही लोगों के भीतर अफरा-तफरी मच जाती है और जश्न या खुशी का मौका मातम की त्रासदी में बदल जाता है।

श्रृंगी ऋषि के राम

ब्रह्मचारी कृष्णदत्त जी को इस जन्म में अक्षरबोध न होने पर भी, एक विशेष समाधि अवस्था में, शवासन की मुद्रा में लेट जाने पर पूर्व जन्मों की स्मृति के आधार पर, भगवान राम के दिव्य जीवन को प्रवचनों में साक्षात वर्णित किया है

ब्रह्मचारी कृष्ण दत्त जी का जन्म 27 सितम्बर, सन 1942 को गाजियाबाद जिले के ग्राम खुर्रमपुर-सलेमाबाद में हुआ,वे जन्म से ही जब भी सीधे, श्वासन की मुद्रा में लेट जाते या लिटा दिये जाते,तो उनकी गर्दन दायें-बायें हिलने लगती, कुछ मन्त्रोच्चारण होता और उपरान्त विभिन्न ऋषि-मुनियों के चिन्तन और घटनाओं पर आधारित 45 मिनट तक, एक दिव्य प्रवचन होता। पर इस जन्म में गरीब परिवार में जन्म लेने के कारण अक्षर बोध भी न कर सके,ऐसे ग्रामीण बालक के मुख से ऐसे दिव्य प्रवचन सुनकर जन-मानस आश्चर्य करने लगा,बालक की ऐसी दिव्य अवस्था और प्रवचनों की गूढ़ता के विषय में कोई भी कुछ कहने की स्थिति में नहीं था।इस स्थिति का स्पष्टीकरण भी दिव्यात्मा के प्रवचनों से ही हुआ, कि यह आत्मा सृष्टि के आदिकाल से ही विभिन्न कालों में, शृङ्गी ऋषि की उपाधि से विभूषित और इसी आत्मा के द्वारा राजा दशरथ के यहाँ पुत्रेष्टि याग कराया गया,और अब जब वे समाधि अवस्था में पहुँच जाते है तो पूर्व जन्मों की स्मृति के आधार पर प्रवचन करते ,यहाँ प्रस्तुत हैं उनके उनके द्वारा साक्षात् देखा गाया, भगवान-राम का दिव्य जीवन)

भाग 22

गतांक से आगे .....

त्रेता के काल में जब भगवान् राम वशिष्ठ के द्वार पहुँचे। विद्यालय में जब प्रवेश कराये गये तो भगवान् राम को वशिष्ठ ने प्रथम याग की प्रक्रिया वर्णित कराई। राम ने उस प्रक्रिया को ले करके,उसी याग को ले करके उन्होंने षोडश कलाएं,जो मानव में, सुषुप्ति मंर रहती हैं उनको अपने जीवन में जागरूक करने का प्रयास किया। भगवान् राम बारह कलाओं के जानने वाले कहलाते थे और वह बारह कलाएं, जिनको धारण करने वाले भगवान् राम ने राष्ट्र, समाज और अपने जीवन को महान् बनाने का प्रयास किया।
20-09-1989

आज मुझे वह दृश्य स्मरण है,जब भगवान् राम गुरु के चरणों में ओतप्रोत होकर के उनके चरणों को छुआ करते थे और गुरु आशीर्वाद देता था ''आयुष्मान् भव ! हे पुत्र ! तुम आयुष्मान रहो ! तुम्हारी आयु दीर्घ हो !'' जब यह सुन्दर आशीर्वाद दिया जाता है,तो उस शिष्य की आयु दीर्घ होती है,गुरु शिष्य में विवेक होता है,दोनों में प्रीति होती है।जब इस प्रकार की प्रीति होती है तो क्यों न यह समाज ऊँचा बनेगा। क्यों न वहाँ ब्रह्म-विद्या आयेगी। ब्रह्म-विद्या तब नहीं आती जब अपने-अपने कर्त्तव्य का पालन नहीं किया जाता।
19-10-1969

दीक्षान्त उपदेश

जिस समय भगवान् राम अपने विद्यालय को त्यागने लगे,तो वहाँ दीक्षान्त उपदेश महर्षि वशिष्ठ मुनि महाराज का हुआ। मैं आज वह विचार देने के लिए आया हूँ कि हमारे यहाँ दीक्षान्त में विचार देता हुआ ऋषि कहते है ''हे राम ! तुम्हारा विद्यालय का काल समाप्त हो गया है।''उन्होंने कहा, ''प्रियतम ! आओ, मैं अब तुम्हें दीक्षान्त उपदेश देना प्रारम्भ करूँगा। तुम्हें दीक्षान्त उपदेश को अपने में श्रवण करते हुए अपने क्रियाकलाप में वह लाना है। राम और श्वेताम् ऋषि महाराज ओर कुछ ब्रह्मचारी और भी उनके साथ थे,जिन्हें विद्यालय उस दिवस त्यागना था। वे सब

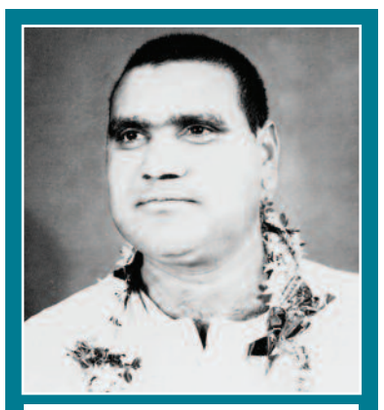

ब्रह्मचारी कृष्णदत्त जी

ऋषि-चरणों में ओत-प्रोत हो गये। चरणों की वन्दना करते हुए,उन्होंने कहा, ''प्रभु ! आज हम इस विद्यालय को त्याग रहे हैं। हमारा विद्या का काल उपरामता को प्राप्त हो गया है। तो हे प्रभु ! हमें आज्ञा दीजिये कि हम क्या करें ?'' माता अरून्धती भी विद्यमान हैं, महर्षि वशिष्ठ भी विद्यमान हैं और एक आसन पर महर्षि विश्वामित्र भी विद्यमान है। कहीं से भ्रमण करते हुए महर्षि लोमश और काकभुषुण्ड जी भी उनके आश्रम में आ पहुँचे। पाँचों ऋषि 'अपने में आसन लगा करके विद्यमान हो गये।

माता अरुन्धती का उपदेश

सबसे प्रथम दीक्षान्त में जो उपदेश हुआ उसमें माता अरुन्धती ने कहा, ''हे ब्रह्मचारियो ! आज तुम अपने इस विद्यालय को त्याग रहे हो। परन्तु इस विद्यालय में तुम्हें यह प्रतीत है कि तुमने कौन-कौन सी विद्या का अध्ययन किया है ? संसार में तीन ही प्रकार की विद्या कहलाती हैं, ज्ञान, कर्म और उपासना। तीन ही विद्याएं हैं।इन तीनों प्रकार की विद्या में संसार बिन्दु से विकास में परिणित होता रहता है। यह तुम्हें प्रतीत है। ब्रह्मवेत्ताओं ने इसके ऊपर विचार-विनिमय किया है अन्वेषण किया है। ये जो वेद में त्रयी विद्या का वर्णन आता है। त्रयी विद्या कौन सी है जो मानव के अन्तःकरण को प्रकाशित करती है, जो मानव को मानवीयता से चिन्तन में लगा देती है ? आज वही त्रयी विद्या कहलाती है। इस त्रयी विद्या का अध्ययन प्रायः तुमने किया है, परन्तु देखो इन त्रयी विद्याओं में ज्ञान, कर्म और उपासना का वर्णन आता है।''

माता अरुन्धती ने कहा कि ''ज्ञान किसे कहते हैं। यह तुमने विचार लिया होगा कि जो तुम संसार में दृष्टिपात करते हो अथवा अपने नेत्रों से जो तुमने दृष्टिपात किया है, उसको जानने का नाम ही ज्ञान कहा जाता है। ज्ञान की विवेचना करते हुए ऋषि कहता है कि मानव जो वाणी से उद्घोष करता रहता है और वाणी से सदैव सत्य का आश्रय ले करके, वह उद्घोष करता रहता है। वाणी की प्रतिभा में एक स्रोत्र बहता रहता है, इसको हम सत्य कहते हैं। वह आनन्द के मार्ग पर हमें ले जाता है। उसे हमारे यहाँ ज्ञान कहते हैं। जैसे एक मानव ने एक प्राणी को दृष्टिपात किया है। प्राणी को दृष्टिपात करके सोचा कि उसमें प्राण है और प्राण के ऊपर जब अन्वेषण करता है तो विचार आता है प्राण के साथ अग्नि विद्यमान है। क्रमशः ....

हाईब्रीड बाबा

विदित हो कि स्वनाम धन्य शास्त्री जी इधर कई वर्षों से कहीं गायब थे। लोग अपनी-अपनी बुद्धि, विचार, भाव, समझ और अनुमान के आधार पर उनके गायब होने की वजह और जगह तय कर रहे थे। 'जाकि रही भावना जैसी' के आधार पर, विन्ध्यगिरि की कन्दराओं से लेकर लालघर की शलाकाओं के बीच कहीं भी वो हो सकते हैं। स्वजन-प्रियजन ये माने बैठे थे कि वर्तमान सांसारिक माहौल उन्हें रास नहीं आ रहा था, इसलिए कहीं गुमनाम होकर साधना रत हो गए हैं, जबकि दुर्बुद्धियों को पक्का यकीन है कि कहीं कुछ कांड करके कानून के गिरफ्त में आ गए हैं। वैसे भी आजकल प्रायः दुर्जनों के पास तर्क और प्रमाण ज्यादा हुआ करता है। क्योंकि वे गुनने-समझने, सोचने-विचारने का काम कम करते हैं और कहने-बोलने, चीखने-चिल्लाने में ज्यादा यकीन रखते हैं।

किन्तु आज तड़के ही सबके मुँह पर तमाचा मारने वाले अन्दाज में अचानक प्रकट हो गए शास्त्रीजी। प्रकट भी हुए तो गांव के बाहर पुराने वाले भूतहा पीपल के चबूतरे पर गमछा विछाए घोड़ा बेंच कर सोए हुए रूप में।

लोटा लेकर पेट हल्का करने की हड़बड़ी में लपक कर जाते हुए भगलुवा ने सबसे पहले उन्हें देखा तो, तम्बाकू से प्रेशर बनाये बिना ही पेट खाली हो गया वहीं पीपल के पास ही और लोटा पटककर सरपट भागा गांव की ओर चीखते-चिल्लाते हुए-' शास्त्रीजी का भूत... शास्त्रीजी का भूत...।'

घड़ीभर के अन्दर ही, गांव ही नहीं, इलाका आ जुटा भूतहा पीपल के पास, इस उत्सुकता से कि शास्त्रीजी सच में हैं या उनका भूत भटक रहा है। क्योंकि इलाके में प्रसिद्धि इस बात की है कि भूतहा पीपल के आसपास तो कोई जिन्दा इन्सान क्षण भर भी टिक ही नहीं सकता, फिर चबूतरे पर चढ़कर चैन से खरटि भला कैसे ले सकता है कोई !

मजमें के खुसुर-फुसुर से शास्त्रीजी की नींद

कमलेश पुण्यार्क (गुरुजी)
मैनपुरा, कलेर, अरवल (बिहार)

खुली तो वीरान मैदान का नजारा देख चौंक उठे। सदा दूर दृष्टि रखने वाले शास्त्रीजी को मामला समझते देर न लगी और चट अपने अनोखे-अजूबे अन्दाज में आ गए, जिससे गांव वाले जरा भी परिचित न थे। नाखून से चबूतरे की थोड़ी सी मिट्टी कुरेदे और आसपास घिरे लोगों को दोनों हाथ ऊपर उठाकर, आहूत करने लगे' आ जाओ मेरे बच्चे ! आ जाओ। ले लो ये करिश्मायी मिट्टी... तुम्हारी सारी मनोकामनाएं पूरी हो जायेगी... मनमाफिक जीवनसाथी मिलेगा... बांझों की गोद भरेगी... बेरोजगारों को रोजगार मिलेगा... आई.ए.एस. आई.पी.एस. तो फस्ट अटेम्ट में ही निकल जायेगा... संसद की सरकती कुर्सी भी पुस्तैनी धरोहर की तरह लब्ध होगा... मुखियागिरी और दादागिरी तो चुटकी का खेल है... बस इस मिट्टी को तकिए के नीचे रख कर तीन रात टांगे ऊपर करके सोना है... और पूरे परहेज से रहना है.... तीन रात ब्रह्मा वाली रात नहीं है... बदल लो अपना किस्मत... चूके तो पछताए ।'

पहले तो लोग जरा डरे-सहमें, आपस में कानाफूसी भी हुई, किन्तु जब किसी एक ने लपक कर मिट्टी ग्रहण कर ली हिम्मत करके, फिर क्या कहना। नरायडी जमाने में दोपहर होते-होते लाखों की भीड़ आ जुटी। हुजूम जुटता रहा और चबूतरे की मिट्टी शास्त्रीजी की मुट्ठी से गुजरती हुई, श्रद्धालुओं और आस्थावानों की मुट्ठी में सरकती रही।

क्यों न सरके, चुटकी भर मिट्टी संसार की सारी आकांक्षाओं-मनोकामनाओं को पूरी करने की करिश्मा वाली जो.

ठहरी। अभी कुछ दशक पहले ही तो 'कोनीवायो प्रोडक्ट' नाम से एक विदेशी कम्पनी ने सभी रोगों के इलाज के दावे के साथ करोड़ों का रोजगार किया था एक तथाकथित जादुई मिट्टी बेंच कर। और जब विदेशी मिट्टी में ये गुण हो सकता है, तो अपने गांव की मिट्टी पर क्योंकर संदेह किया जा सकता है ! और उससे से बड़ी बात ये है कि अपने ही गांव के चिरपरिचित शास्त्रीजी के सिद्ध हाथों से बाँटी जा रही है ये मिट्टी।

भीड़ हो जहाँ, चमत्कार हो जहाँ, दरबार हो जहाँ-टी.आर.पी. की आश तो बननी ही बननी है न ! ऐसे में दरसाऊ मीडिया और छपाऊ मीडिया भला क्यों चूके ! उनके बीच भी होड़ लग गई फस्ट बाईट कवरिंग की। और यकीन मानिए, होड़ की तोड़ में 'खाकी वर्दी' भला पीछे क्यों रहे। उसकी भी तो निजी तमन्नाएं हैं न हाड़-मांस वाला शरीर होने के नाते। चोरी-डकैती-मर्डर, बाढ़-भूकम्प आदि की आधिकारिक सूचना भले ही उसे देर से मिलती हो, चमत्कारी बाबाओं की सूचना रखने में वो भला क्यों देर करे !

भीड़ का लाभ उठाते हुए, लाईट-कैमरे के घेरे में शास्त्रीजी तनकर खड़े हो गए। मुट्ठी में भरी मिट्टी को सामने की ओर तिरस्कार पूर्वक उछालते हुए, दाँत पीसते हुए बोले - ' इस भीड़ में कोई आदमी भी है या सब के सब गधे ही हो... या कि निरे ऊल्लू... शक्ल तो तुम सबकी आदमी वाली ही लग रही है, वेषभूषा-बातचित से पहुए जैसा भी लग रहे हो। किन्तु अक्ल नाम की चीज उधार में भी मिली होती यदि तो यकीन मानों, ये दुर्गति नहीं होती। तुम सब पढ़े-लिखे मूरख हो। पढ़े-लिखे लोग ज्यादा सशंकित हुआ करते हैं, ज्यादा डरे हुए होते हैं। अकूत-अवांछित कामनाओं की भूख ने तुम्हें अन्धा बना दिया है। सत्व-सीता बुद्धि को अहंकारी रावण ने हर लिया है। बुद्धि विहीन विक्षिप्त हो गए हो तुमसब। मृगमरीचिका को ही दरिया माने बैठे हो। तुम्हारे जैसे मूर्खों की जमात ने ही बहुरूपिए बाबाओं को जन्म दिया है, समाज में पनाह दिया है। मयार्दा पुरुषोत्तम राम और कर्मयो

उपदेशक कृष्ण वाले आर्यावर्त में तुम जैसे कर्महीन-बुद्धिहीन भिखमंगों की भीड़ इकट्ठी हो गई है। तुम्हें सबकुछ समुचित कर्म किए बिना ही चाहिए। धर्म, अर्थ, काम यहाँ तक कि मोक्ष भी मुफ्त में ही चाहिए तुम्हें।

'अरे मूर्खाधिराजों ! कर्म करो, सत्कर्म करो, सत्संग करो। कुसंग को ही सत्संग न समझलो। कुकर्म न करो। कुसंग तो कदापि न करो। विधाता की दी हुई अनमोल बुद्धि का जरा सही उपयोग कर लिया करो और गाँठ बाँध लो मेरी इन बातों का। सच्चे सिद्ध, सन्त, स्वामी भीड़ से सदा परे रहने की चेष्टा करते हैं। छिपे रहते हैं। छिपाए रहते हैं स्वयं को। और जो कहीं भीड़ में नजर आए, भीड़ की चाहत हो जिसे, समझ लो कि वो सिद्ध, सन्त, स्वामी कुछ भी नहीं है। वह केवल आडम्बरी है, ढोंगी है, फरेबी है, जालसाज है, कुमार्गी है, कामी है, भोगी है...। उसकी नजरें तुम्हारी किसी न किसी चीज पर टिकी हुई है। तुम्हारे जिश्म पर टिकी है... तुम्हारी दौलत पर टिकी है... तुम्हारी संस्कृति पर टिकी है...। कुछ न कुछ छीनने आया है वह तुमसे । कुछ हड़पने आया है तुम्हारे बीच। वह तुम्हारी कमजोरियों के पल-पल का हिसाब ले रहा है। तुम्हारी नादानियों का लाभ ले रहा है। तुम्हारे भोलेपन को भँजा रहा है। हनुमान को फँसाने की ताक में बैठा बहुरूपिया कालनेमि है वह। सीता को लुभाने वाला स्वर्णमृग है वह। राम को भरमाने वाला मारीच है वह।

अतः भेडों की तरह भीड़ का हिस्सा न बनो। अपने भीतर के हनुमान को जगाओ, गरदनियाँ पछाड़ मारो कालनेमियों को। राम को जगाओ, रावणों का संहार करो। कृष्ण को गुहराओ, शकुनियों का नाश करो। और सबसे महत्वपूर्ण बात ये कि हाईब्रीड बाबाओं के झाँसे में न आओ। इनके चरणों में न लोटो। धक्के देकर इन्हें मंचों से नीचे का रास्ता दिखाओ।'

अपने कार्यक्रमों में विभिन्न विचारों के महानुभावों को आमंत्रित करने की है संघ की परंपरा

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ सबके लिए खुला संगठन है। इसके दरवाजे किसी के लिए बंद नहीं है। कोई भी संघ में आ सकता है। कोई विपरीत विचार का नेता, सामाजिक कार्यकर्ता या विद्वान व्यक्ति जब संघ के कार्यक्रम में शामिल होता है, तब उन लोगों को आश्चर्य होता है, जो संघ को एक 'क्लोज्ड डोर ऑर्गेनाइजेशन' समझते हैं। जो संघ को समझते हैं, उन्हें यह सब सहज ही लगता है। इसलिए नागपुर में आयोजित संघ शिक्षावर्ग 'कार्यकर्ता विकास वर्ग-2' के समापन समारोह में जब मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़ के जनजाति वर्ग के कद्दावर नेता अरविंद नेताम को आमंत्रित किया गया, तब संघ को जाननेवालों को यह सहज ही लगा लेकिन संघ के प्रति संकीर्ण सोच रखनेवाले इस पर न केवल हैरानी व्यक्त कर रहे हैं अपितु वितंडावाद भी खड़ा करने का प्रयास कर रहे हैं।

हालांकि, उनके वितंडावाद की हवा स्वयं जनजातीय नेता अरविंद नेताम ने यह कहकर निकाल दी कि 'वनवासी समाज की समस्याओं और चुनौतियों को संघ कार्यक्रम के माध्यम से रखने का सुअवसर मुझे मिला है'। उन्होंने संघ के संबंध में एक महत्वपूर्ण टिप्पणी यह भी की है कि 'इस संगठन में चिंतन-मंथन की गहरी परंपरा है। भविष्य में जनजातीय समाज के सामने जो चुनौतियां आनेवाली हैं, उसमें आदिवासी समाज को जो संभालनेवाले और मदद करनेवाले लोग/संगठन हैं, उनमें हम राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को मानते हैंह्व। सुप्रसिद्ध जनजातीय नेता अरविंद नेताम श्रीमती इंदिरा गांधी और पीवी नरसिम्हा राव सरकार में मंत्री रहे हैं।

उल्लेखनीय है कि संघ के कार्यक्रमों में महात्मा गांधी, डॉ. भीमराव अंबेडकर और जय प्रकाश नारायण से लेकर श्रीमती इंदिरा गांधी एवं प्रणब मुखर्जी तक शामिल हो चुके हैं। संघ ने कभी किसी से परहेज नहीं किया। संघ अपनी स्थापना के समय से ही सभी प्रकार के मत रखनेवाले विद्वानों से मिलता रहा है और उन्हें अपने कार्यक्रमों में आमंत्रित करता रहा है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का संवाद में गहरा विश्वास है। वर्तमान सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत कहते हैं कि 'अगर हम विचारों को एक किला बनाकर उसके अंदर अपने आपको बंद कर लेंगे, तो यह व्यावहारिक नहीं होगा'। संघ के संस्थापक डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार प्रतिष्ठित राजनेता थे। कांग्रेस, समाजवादी एवं कम्युनिस्ट नेताओं के साथ उनका गहरा परिचय था। संघ का दर्शन कराने के लिए डॉक्टर साहब लगातार विभिन्न विचारों के विद्वान व्यक्तियों एवं सामाजिक-राजनीतिक कार्यकताओं से मिलते थे और उन्हें संघ में आमंत्रित करते थे। वे उस समय की चुनौतियों के संबंध में सबसे विचार-विमर्श करके समाधान के मार्ग तक पहुँचने का प्रयास करते थे। संघ के वर्तमान अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर अपनी पुस्तक 'राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ : स्वर्णिम भारत के दिशा-सूत्र' में लिखते हैं कि 'किसी विषय पर विभिन्न मत हो सकते हैं, किंतु जब हम समाज के प्रत्येक वर्ग से मिलते हैं, संवाद करते हैं, तो अवश्य ही समाधान निकलता है'।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ 1930 के दशक से ही समाज जीवन में सक्रिय लोगों को अपने कार्यक्रमों में बुलाता रहा है। दरअसल, एक और महत्वपूर्ण बात है यह कि संघ को विश्वास है कि जब तक कोई संघ से दूर है, तब तक ही वह संघ का विरोधी हो सकता है। लेकिन जैसे ही

वह संघ के निकट आता है और संघ को जानने-समझने लगता है, तब वह संघ का विरोधी हो ही नहीं सकता। ऐसे अनेक उदाहरण हैं, जो इस बात को सिद्ध करते हैं।

भारत के पूर्व उपराष्ट्रपति डॉ. जाकिर हुसैन और लोकनायक जयप्रकाश नारायण भी संघ के आमंत्रण पर आ चुके हैं। लोकनायक जयप्रकाश नारायण सम्मानित समाजवादी नेता थे। प्रारंभ में संघ को लेकर उनके विचार आलोचनात्मक थे। लेकिन जब उन्होंने संघ को नजदीक से देखा तब उनके विचार पूरी तरह बदल गए। उन्होंने यहाँ तक कह दिया कि 'यदि आरएसएस फासीवादी संगठन है तो जेपी भी फासीवादी है'। प्रख्यात समाजवादी नेता राम मनोहर लोहिया और संघ के पदाधिकारियों के साथ मित्रतापूर्ण संवाद रहा है। आचार्य विनोबा भावे ने कहा है कि 'मैं संघ का विधिवत सदस्य नहीं हूँ, फिर भी स्वभाव से, परिकल्पना से मैं स्वयंसेवक हूँ'। परम पावन दलाई लामा संघ के अनेक कार्यक्रमों में शामिल होते रहे हैं, उनका भी कहना है कि 'मैं संघ का समर्थक हूँ'।

अनुशासन, देशभक्ति और समाज सेवा के लिए यह संगठन जाना जाता है'। वर्ष 1977 में आंध्रप्रदेश में आए चक्रवात के समय स्वयंसेवकों के सेवा कार्यों को देखकर वहां के सर्वोदयी नेता श्री प्रभाकर राव ने तो संघ को नया नाम ही दे दिया था। उनके अनुसार- 'आरएसएस अर्थात् रेडी फॉर सेल्फलेस सर्विस'।

संघ के कार्यक्रम में जब भी कोई अन्य विचार का व्यक्ति आया है, तब संघ के कार्यकर्ताओं की ओर से कभी उनका विरोध नहीं हुआ। बल्कि स्वयं को अधिक प्रगतिशील एवं लोकतांत्रिक बतानेवाले लोगों ने ही आमंत्रित महानुभावों को रोकने के लिए भरसक प्रयास किए हैं। जब उनके सब प्रयत्न विफल हो जाते हैं, तब ये लोग आमंत्रित महानुभावों की छवि पर हमला करने लगते हैं। उन्हें 'छिपा हुआ संघी' घोषित कर देते हैं। याद हो, वर्ष 2018 में नागपुर के रेशिमबाग में आयोजित संघ शिक्षा वर्ग-तृतीय वर्ष के समापन समारोह में जब पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी के शामिल होने का समाचार सामने आया, तब कितना हो-हल्ला मचाया गया।

प्रणब दा को रोकने के लिए पत्र लिखे गए, आह्वान किए गए। आखिर में प्रणब दा समारोह में पहुँचे और अपना उद्बोधन दिया। इस अवसर पर प्रणब दा न केवल आद्य सरसंघचालक डॉ. हेडगेवार के घर (संग्रहालय) गए, बल्कि वहाँ उन्होंने विजिटर बुक में लिखा- 'मैं आज भारत माँ के महान सपूत डॉ. केबी हेडगेवार के प्रति सम्मान और श्रद्धांजलि अर्पित करने आया हूँ'।

रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया के नेता और दलित नेता दादासाहेब रामकृष्ण सूर्यभान गवई तथा कम्युनिस्ट विचारों वाले जस्टिस वीआर कृष्णा अय्यर भी संघ के कार्यक्रमों में आ चुके हैं। मीनाक्षीपुरम में कुछ हिंदुओं द्वारा धर्म परिवर्तन कर इस्लाम स्वीकार किए जाने की घटना के बाद श्री गवई ने स्वयं संघ के कार्यक्रम में आने की इच्छा व्यक्त की थी और अपने विचार रखे थे। केरल की पहली कम्युनिस्ट सरकार में मंत्री रहे जस्टिस वीआर कृष्णा अय्यर ने स्थानीय विरोधों के बावजूद तत्कालीन सरसंघचालक से संपर्क किया और बाद में पत्रकारों के सामने अपने विचार रखे थे।

अभी हाल के वर्षों में देखें तो, नोबेल पुरस्कार विजेता कैलाश सत्यार्थी, डीआरडीओ के पूर्व डायरेक्टर जनरल विजय सारस्वत, एचसीएल के प्रमुख शिव नाडर, नेपाल के पूर्व सैन्य प्रमुख रुकमंगुड कटवाल जैसे व्यक्तित्व संघ के विजयादशमी उत्सव में बतौर मुख्य अतिथि शामिल हो चुके हैं। पिछले एक दशक में नागपुर में आयोजित होनेवाले संघ शिक्षा वर्ग के समापन समारोह में आए प्रमुख महानुभावों में दैनिक पंजाब केसरी के संचालक एवं संपादक अश्वनी कुमार, आदिचुनचुनगिरी मठ (कर्नाटक) के प्रधान पुजारी श्री निर्मलानंदनाथ महास्वामी, आर्ट ऑफ लिविंग फाउंडेशन के संस्थापक श्री श्री रवि शंकर, धर्मस्थल कर्नाटक के धर्माधिकारी पद्मविभूषण डॉ. विरेन्द्र हेगडे, साप्ताहिक 'वर्तमान' (कोलकाता) के संपादक रंतिदेव सेनगुप्त, श्रीरामचंद्र मिशन (हैदराबाद) के अध्यक्ष दाजी उपाख्य कमलेश पटेल, श्री काशी महापीठ (वाराणसी) के 1008 जगद्गुरु डॉ. मल्लिकार्जुन विश्वाराध्य शिवाचार्य महास्वामी, श्री सिद्धगिरी संस्थान मठ (कोल्हापुर) के अदृश्य काडसिद्धेश्वर स्वामी और श्री क्षेत्र गोदावरी धाम बेट सराला के पीठाधीश श्री रामगिरी जी महाराज प्रमुख हैं। इसके अलावा देशभर में आयोजित संघ शिक्षा वर्गों के कार्यक्रम सहित अन्य कार्यक्रमों समाज जीवन के प्रतिष्ठित लोगों को संघ आमंत्रित करता है।

RNI No. 62592/95 स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक चंद्रशेखर शास्त्री ने भारती प्रिंटर्स, निकट पुरानी स्टील चुंगी, लोअर बाजार, मोदीनगर-201204, गाजियाबाद उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित किया।
सम्पादक: चन्द्रशेखर शास्त्री, मोबाइल: 7351200046/9411246969, email: u.p.observer@gmail.com

महापुरुषों का अपमान नहीं सहेगा क्षत्रिय समाज : महाराज विक्रमादित्य सिंह जूदेव

महापुरूषों का अपमान करने वालों पर सरकार से राष्ट्रद्रोह का मुकदमा चलाने की उठी मांग

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

सोनभद्र। मानव जाति के पुनः प्रादुर्भाव से ही जन कल्याण के लिए बनाई गई मनु स्मृति के काल खण्ड से क्षत्रिय सम्पूर्ण धरती पर जीवों की रक्षा के लिए कृत संकल्पित रहे और आज आधुनिक युग में भी कर्तव्य का पालन कर रहे हैं।इतिहास साक्षी है, जब कभी अखण्ड भारत भूमि पर संकट आया, तब क्षत्रिय समाज ने अपने प्राणों की आहुति देकर मातृभूमि की रक्षा की है। सतयुग में ईक्ष्वांक्षु कुल में जन्मे मर्यादा पुरुषोत्तम राजा रामचंद्र से प्रारंभ होकर त्रेता युग में श्रीकृष्ण, राजा भरत, भगवान बुद्ध, ललितादित्य नागवंशी, बप्पा रावल, मिहिरभोज, चंद्रगुप्त समुद्रगुप्त, पृथ्वीराज चौहान, महाराणा प्रताप, दुगार्दास राठौड़, बन्दा बहादुर, क्षत्रपति शिवाजी महाराज, महाराज सुहेलदेव जैसे अनगिनत - महापुरुषों की गौरव गाथा हमारे समाज समेत सम्पूर्ण मानव जाति के लिए सम्मान का विषय है। यदि हम अपने आने वाली पीढ़ियों को अपनी विरासत सौंपना चाहते हैं तो उन्हें शिक्षा और संयम का पाठ पढ़ाना पड़ेगा। यदि आज क्षत्रियों का इतिहास हटा दिया जाए तो भारत समेत आधी पृथ्वी का इतिहास शून्य हो जाएगा। यह बातें मंगलवार को राजपूत करणी - सेना के तत्वाधान में नगर के रामलीला मैदान में आयोजित क्षत्रिय महासम्मेलन में आए वक्ताओं ने कही। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष और जशपुर के महाराज विक्रमादित्य सिंह जूदेव, कुंवरनी जया सिंह जूदेव, करणी सेना के प्रदेश अध्यक्ष राकेश सिंह रघुवंशी व विशिष्ट अतिथि एमएलसी विनीत सिंह रहे। सम्मेलन से पूर्व करणी सेना के सैनिकों ने प्रदेश अध्यक्ष का भव्य स्वागत किया। सम्मेलन का शुभारंभ मयार्दा पुरुषोत्तम श्रीराम, महाराणा प्रताप व करणी सेना के पूर्व अध्यक्ष स्व. सुखदेव सिंह गोगामणि के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्ज्वलित करके किया गया। करणी सेना की जिला इकाई ने प्रदेश अध्यक्ष का संयुक्त रूप से माल्यापर्ण कर स्वागत किया। मुख्य अतिथि राकेश सिंह रघुवंशी ने कहा अब क्षत्रिय समाज राष्ट्र महापुरुषों का अपमान कदापि बर्दाश्त नहीं करेगा। ऐसा करने वालों को मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा। विशिष्ट अतिथि एमएलसी श्याम नारायण सिंह ने सम्मेलन को संबोधित करते हुए सरकार से किसी भी समाज के महापुरुषों के अपमान पर राष्ट्रद्रोह का कानून बनाने की पुरजोर मांग की।

सोनभद्र के राबर्ट्सगंज रामलीला मैदान में श्री राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना सोनभद्र के तत्वाधान में आयोजित क्षत्रिय सम्मेलन में मुख्य अतिथि श्याम नारायण सिंह उर्फ विनीत सिंह जी(एमएलसी), संगठन के प्रदेश अध्यक्ष श्री राकेश सिंह रघुवंशी, श्रीमंत विक्रमादित्यसिंह जूदेव, श्रीमती जया सिंह जूदेव जशपुर (श्री अखिलभारतीय क्षत्रिय महासभा) एवं विशिष्ट अतिथि महाराजकुमार अपूर्व ब्रह्म, कुमार वीर विक्रम, बडहर राजपरिवार, रमेश सिंह, शमधुसूदन सिंह, कमल किशोर सिंह, डॉ जितेंद्र सिंह संजय, ब्रजेश सिंह चंदेल, हिमांशु सिंह, राजेश सिंह गहरवार, श्री प्रवीण सिंह, श्रीमती अंजलि विक्रम सिंह, श्रीमती रंजना सिंह, श्रीमती पुष्पा सिंह, इंद्रसेन सिंह, शीतला सिंह, भूपेंद्र सिंह, श्रीराम निवास तोमर, सत्य प्रताप सिंह बजरंग दल, सुनील सिंह, दीपक सिंह, अजीत सिंह, सत्य प्रकाश सिंह, अभिषेक सिंह पिंकू, आशीष सिंह, हरदेव सिंह, डॉ गोपाल सिंह वैद्य, संरक्षक श्री भोला सिंह, शिव नारायण सिंह, संतोष सिंह और सम्मानित वरिष्ठ जन और संगठन के पदाधिकारी कार्यकर्ता संजय सिंह चंदेल, विकास सिंह सभासद, देवेंद्र सिंह भदोरिया, मनोज सिंह, विवेक सिंह तोमर, मंडल अध्यक्ष मुन्ना सिंह, संतोष सिंह, अंकुर कश्यप, परीक्षित सिंह, युवा जिला अध्यक्ष विकास सिंह, सूर्य प्रताप सिंह, विशाल सिंह, बसंत सिंह, डॉ गौरव सिंह, हरिशंकर सिंह, शिव नारायण सिंह अंबुज, संतोष सिंह, प्रमोद सिंह, महेश सिंह, जय प्रताप सिंह, रणजीत सिंह, राम नारायण सिंह, देवेश सिंह, रोहित सिंह सोनेन्दर रघुवंशी, संतोष श्रीनेत, पुष्पेंद्र सिंह, शोभित सिंह, प्रवीण सिंह, मुकेश सिंह, राहुल प्रताप सिंह, मनीष प्रताप सिंह, सुधांशु सिंह, प्रखर सिंह उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन आनंद सिंह ने किया।

गोरक्ष शक्तिधाम सेवार्थ फाउन्डेशन द्वारा संचालित कंप्यूटर प्रशिक्षण केंद्र का पीर योगी रामनाथ जी ने किया उद्घाटन

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

नई दिल्ली। भर्तृहरी गुफा के महन्त श्री श्री 1008 पीर योगी रामनाथ जी महाराज ने गोरक्ष शक्तिधाम सेवार्थ फाउन्डेशन इंदौर (मध्य प्रदेश) द्वारा समाज हित में संचालित टेकस्किल कंप्यूटर ट्रेनिंग सेंटर का इंदौर में उद्घाटन किया ।

फाउन्डेशन द्वारा आयोजित उदघाटन कार्यक्रम में योगी पीर रामनाथ जी महाराज के शिष्य एवं फाउन्डेशन के निदेशक योगी शिवनंदन नाथ जी ने गुरुदेव महाराज जी के श्री चरणों की आरती वंदना कर शाल एवं माला पहनाकर उनका स्वागत किया। कार्यक्रम में उपस्थित शहर के गणमान्य अतिथियों ने रामनाथ महाराज जी का फूल मालाओं एवं पुष्प गुच्छ से स्वागत किया। पीर योगी रामनाथ जी महाराज ने उपस्थित जनों को आशीर्वाद देते हुए प्रसन्नता के साथ कंप्यूटर ट्रेनिंग सेंटर मे सभी 10 कंप्यूटर्स का विधिवत तिलक लगाकर एवं अपने कर कमलों से चला कर उद्घाटन किया।

महाराज जी ने संस्था के निदेशक योगी शिवनंदन नाथ जी को आशीर्वाद देते हुए समाज सेवा में समर्पित संस्था के ट्रेनिंग सेंटर के उज्जवल भविष्य की कामना की।

उल्लेखनीय है की गोरक्ष शक्तिधाम सेवार्थ फाउण्डेशन द्वारा संचालित इस कंप्यूटर सेंटर में मध्य प्रदेश के सरकारी स्कूलों में जो विद्यार्थी 75% या अधिक अंक लेकर उत्तीर्ण हुए हैं एवं जो विद्यार्थी क्रीडा क्षेत्र में जिलास्तर /राज्यस्तर अथवा राष्ट्रीय स्तर प्रतियोगिता में विजेता रहे हैं, उनको फाउन्डेशन द्वारा निशुल्क कंप्यूटर प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। सरकारी स्कूलों में आठवीं कक्षा पास दिव्यांग छात्रों के लिए भी निशुल्क प्रशिक्षण की सुविधा उपलब्ध रहेगी। अंग्रेजी स्कूलों के छात्रों , महिलाओं, उद्यमियों, बेरोजगार युवकों-युवतियों के लिए के लिए बेसिक कंप्यूटर पाठ्यक्रम प्रशिक्षण की फीस में 30% की छूट प्रदान की जाएगी। फाउन्डेशन का उद्देश्य कंप्यूटर प्रशिक्षण प्रदान कर छात्र-छात्राओं , युवा पीढ़ी एवं महिलाओं को तकनीकी शिक्षा से समृद्ध कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाना है। समाज को राष्ट्र को सशक्त करना है।रजिस्ट्रेशन फॉर्म सेंटर पर उपलब्ध है।

उप गन्ना आयुक्त, परिक्षेत्र मेरठ द्वारा गन्ना विकास परिषद दौराला के ग्राम भराला एवं मटौर में गन्ना सर्वे का औचक निरीक्षण

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मेरठ। उप गन्ना आयुक्त, परिक्षेत्र मेरठ राजश मिश्र द्वारा गन्ना विकास परिषद दौराला के ग्राम भराला एवं मटौर में गन्ना सर्वे का औचक निरीक्षण किया गया। भराला ग्राम के कृषक अमित पुत्र विजयपाल के पेड़ी गन्ना को. 0238 का निरीक्षण किया निरीक्षण के समय सर्वे में लगे समस्त स्टाफ मौके पर पाये गये, सर्वेक्षण सही पाया गया। ग्राम भराला में कुल 96 हे. में. से 75.64 हे. कृषकों का सर्वेक्षण किया गया है। चीनी मिल द्वारा अवगत कराया गया है कि पौधे गन्ने का लगभग 70 प्रतिशत सर्वेक्षण कर लिया गया है। तथा 15 जून तक समस्त सर्वेक्षण कार्य पूर्ण कर लिया जाएगा। इसी प्रकार ग्राम मटौर में कृषक जय सिंह पुत्र राजेन्द्र के पौधा गन्ना प्रजाति को 00118, को. लख 16202 व को.0238 को सर्वेक्षित प्लाट का निरीक्षण किया। उक्त कृषक के गन्ना प्रजाति को को.शा. 13235 के पौधा गन्ने में दिखाई दे रहे स्मट रोग के निदान के सम्बन्ध में कृषक को सुझाव दिया गया कि रोगी फसल में लिकलने वाले चाबुक के समान संरचना वाले भाग के ऊपर सावधानी पूर्वक थैली चढ़ाकर पौधे को जड़ से उखाड़ कर नष्ट कर देना चाहिए तथा फसल में रोग को फैलने से कम करने हेतु प्रोपिकानोजोल 25 ईसी (1 मिली प्रति ली. पानी) का छिड़काव करें। निरीक्षण के समय उप गन्ना आयुक्त के साथ मौके पर सम्भागीय विख्यापन अधिकारी परिक्षेत्र मेरठ, ज्येष्ठ गन्ना विकास निरीक्षक, दौराला,, चीनी मिल के प्रतिनिधि एवं फील्ड स्टाफ आदि उपस्थित रहें।

लखनऊ विश्वविद्यालय में पत्रकारिता विभाग के अध्यक्ष बनें डॉ.सौरभ मालवीय

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

लखनऊ। हिंदी पत्रकारिता एवम् साहित्य के सुपरिचित हस्ताक्षर हैं। आप का जन्म उत्तर-प्रदेश के देवरिया जनपद के ग्राम पटनेजी में हुआ। माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय, भोपाल से आपने प्रसारण पत्रकारिता में स्नातकोत्तर एवं 'सांस्कृतिक राष्ट्रवाद और मीडिया' विषय पर पीएचडी शोध उपाधि प्राप्त प्राप्त किया।

डॉ. मालवीय का वैचारिक धरातल सुस्पष्ट है। आप देश भर की विभिन्न समाचार पत्र-पत्रिकाओं एवं में समसामयिक मुद्दों पर तार्किक लेखन करते हैं। ज्वलंत एवं राजनीतिक विषयों पर आप प्रायः टीवी चचाओं में अपने विचार रखते हुए देखे जाते हैं।

प्रकाशित पुस्तकें: राष्ट्रवादी पत्रकारिता के शिखर पुरुष अटल बिहारी वाजपेयी, विकास के पथ पर भारत, राष्ट्रवाद और मीडिया, भारत बोध, अंत्योदय को साकार करता उत्तर प्रदेश, भारतीय राजनीति के महानायक नरेन्द्र मोदी और हिंदी पत्रकारिता के स्वर्णिम हस्ताक्षर है।

आपको उत्कृष्ट कार्य एवं लेखन हेतु अनेक पुरस्कारों से सम्मानित किया जा चुका है, जिसमें विष्णु प्रभाकर पत्रकारिता सम्मान, प्रवक्ता डॉट कॉम लेखक सम्मान, लखनऊ रत्न सम्मान, अटल बिहारी वाजपेयी संवाद सम्मान, अटल श्री सम्मान, सर्वपल्ली राधाकृष्णन शिक्षक सम्मान , पंडित प्रताप नारायण मिश्र युवा साहित्यकार सम्मान आदि सम्मिलित है।

हिन्दू गौरव के साथ यह भारतीय भाषाओं के स्वाभिमान का समय

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

नई दिल्ली! हवाई जहाज की सुरक्षा सूचनाओं से लेकर सब जगह भारतीय भाषाओं का विकल्प होने पर भी कुछ लोग अंग्रेजी के प्रति अतिरिक्त प्रेम दिखाते हैं,लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि हमारी भारतीय भाषाएं कमजोर हैं। यह हिंदुत्व के गौरव काल की तरह भारतीय भाषाओं की पहचान और सम्मान का भी समय है।

हम देववाणी संस्कृत पढ़ा रहे हैं, ईश्वरीय संदेश के ध्वजवाहक हैं,यह पुण्य के साथ राष्ट्र भक्ति का ही कार्य है। विहिप का संस्कृत आयाम वर्षों से देशभर में घर- घर तक संस्कृत सिखाने के लिए अखिल भारतीय संस्कृत शिक्षक प्रशिक्षण वर्ग के माध्यम से संस्कृत शिक्षक तैयार कर रहा है,यह हमारे लिए गौरव की बात है। ये विचार विहिप संस्कृत आयाम द्वारा नई दिल्ली के वसंत विहार स्थित ललित महाजन सरस्वती विद्या मंदिर वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में आयोजित अखिल भारतीय संस्कृत शिक्षक प्रशिक्षण वर्ग का उद्घाटन करते हुए मुख्य अतिथि रूप में विश्व हिन्दू परिषद के अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष और सर्वोच्च न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता एडवोकेट आलोक कुमार ने व्यक्त किए। विहिप के राष्ट्रीय संस्कृत आयाम प्रमुख प्रो.देवी प्रसाद त्रिपाठी ने कहा कि वैदिक विद्याओं और प्राच्य विद्याओं के सम्मेलन और कार्यशालाओं के आयोजन के साथ आयाम द्वारा देशभर में संस्कृतमय वातावरण बनाने के लिए नियमित रूप से अखिल भारतीय संस्कृत शिक्षक प्रशिक्षण वर्ग निश्चित रूप से समाज जागरण का कार्य कर रहे हैं। इस अखिल भारतीय संस्कृत वर्ग में पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, राजस्थान, मध्य प्रदेश, बिहार और उत्तराखंड आदि राज्यों से सौ से अधिक शिविरार्थी भाग ले रहे हैं।

वर्गाधिकारी रूप में प्रो.गणेशदत्त भारद्वाज, वर्ग प्रमुख डॉ.दिनेश शास्त्री, प्रशिक्षक रूप में डॉ.सूर्यमोहन भट्ट, डॉ. सूर्यमणि भंडारी, डॉ.चितरंजन कौशल, डॉ.अशोक थपलियाल, डॉ.हरिप्रिया, डॉ. योगेंद्र शर्मा, डॉ. नवीन पांडेय, डॉ. दीपक वशिष्ठ, डॉ. पंकज सेमल्टी, डॉ.अश्विनी शर्मा, डॉ.गीता आर्य और डॉ. शिव कुमार शास्त्री आदि प्रमुख हैं। अखिल भारतीय संस्कृत शिक्षक प्रशिक्षण वर्ग के संयोजक और भारत संस्कृत परिषद के महासचिव सूर्य प्रकाश सेमवाल ने कहा कि विगत एक दशक से देश में भारत की सनातन पहचान को मान्यता देने का जो कार्य धरातल पर दिख रहा है, संस्कृत आयाम उस वातावरण की रचना में प्रभावी भूमिका सिद्ध कर रहा है। इस वर्ग में परंपरागत विद्या और आधुनिक विद्याओं के साथ सनातन विमर्श के विषयों पर भी चर्चा होगी।

भरतपुर में आयोजित योग -नैचुरोपैथी के राष्ट्रीय सेमिनार में 5 मेडिकल कॉलेज की सहभागिता रही...

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

राजस्थान। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की पूर्व तैयारी के अवसर पर 'स्वास्थ्य मंदिर - भरतपुर' एवं नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ हॉलिस्टिक हेल्थ (एन आई एच) के संयुक्त तत्वावधान में स्वास्थ्य मंदिर - भरतपुर (राजस्थान) में एक दिवसीय 'योग -प्राकृतिक चिकित्सा' पर राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन रविवार 1 जून, 2025 को किया गया!

सेमिनार में देशभर से पधारे 150 प्रतिनिधियों व 5 मेडिकल कॉलेज के अलावा MATS यूनिवर्सिटी, रायपुर (छत्तीसगढ़) से 40 विद्यार्थियों एवं फैकल्टी ने भाग लिया!

कार्यक्रम के विधिवत उद्घाटन के साथ नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ हॉलिस्टिक हेल्थ के चेयरमैन डॉ विनोद कश्यप ने बताया कि वर्तमान परिवेश में योग नेचरोपैथी स्वास्थ्य के लिए अत्यंत आवश्यक है इसलिए एन आई एच द्वारा देश के अलग अलग राज्यों में निरन्तर राष्ट्रीय सेमिनार व कॉन्फ्रेंस के माध्यम से चिकित्सकों, छात्रों के अलावा आम जनता को भी जागरूक करने का अभियान चलाया जा रहा है!

वक्ता के रूप में केशव नेचुरोपैथी हॉस्पिटल -वृंदावन के उटड डॉ कैलाश द्विवेदी, कोटा आयुर्वद एवं नेचरोपैथी कॉलेज के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ नित्यानंद शर्मा, भरतपुर आयुर्वेदिक कॉलेज के वरिष्ठ सर्जन डॉ मोहन स्वरूप, आयुर्वेद विभाग - भरतपुर के डिप्टी डायरेक्टर डॉ चंद्र प्रकाश शर्मा, भरतपुर आयुर्वेदिक कॉलेज की भूतपूर्व प्रिंसिपल डॉ रीना खंडेलवाल, डॉ लोकेश सिंह एवं अन्य नेचरोपैथी कॉलेज के वरिष्ठ वक्ताओं का मार्गदर्शन मिला!

दिल्ली से पधारे वरिष्ठ नेचुरोपैथ एवं एक्यूप्रेशर-एक्यूपंक्चर एक्सपर्ट डॉ संदीप सिंघल ने प्रैक्टिकल सेशन के माध्यम से प्रतिभागियों को दर्द निवारण की ट्रेनिंग दी! सेमिनार की उत्कृष्ट व्यवस्था एवं संचालन स्वास्थ्य मंदिर के सचिव डॉ. वीरेंद्र अग्रवाल एवं उटड डॉ. दिगंबर सिंह के दिशा निर्देशन में रहा! सभी प्रतिभागियों को प्राकृतिक अल्पाहार एवं भोजन दिया गया! कार्यक्रम के अंत में सभी मेडिकल स्टूडेंट्स एवं अन्य प्रतिभागियों को सहभागिता प्रमाण पत्र दिए गए!

हर समस्या पर होगी प्रभावी कार्रवाई: मुख्यमंत्री

सीएम योगी ने जनता दर्शन में 200 लोगों की समस्याएं सुनीं

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

- जनता की समस्याओं पर त्वरित संवेदनशीलता दिखाएं अधिकारी : सीएम

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर प्रवास के दौरान शुक्रवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनता की समस्याओं पर त्वरित संवेदनशीलता दिखाएं। समस्या से जुड़ी शिकायत पर तेजी से कार्रवाई करते हुए गुणवत्तापूर्ण व संतुष्टिपरक समाधान सुनिश्चित कराएं। जनता दर्शन कार्यक्रम में पहुंचे लोगों को मुख्यमंत्री ने आश्वस्त करते हुए कहा, घबराइए मत। सरकार हर समस्या पर प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित कराएगी। शुक्रवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन के दौरान सीएम योगी करीब 200 लोगों से मिले। महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के बाहर लगी कुर्सियों पर बैठाए गए लोगो तक मुख्यमंत्री खुद पहुंचे और एक-एक कर उनकी समस्याओं को सुना। इत्मीनान से बात सुनते हुए उनके प्रार्थना पत्र लिए। पास में खड़े अधिकारियों को समस्या समाधान हेतु आवश्यक दिशानिर्देश दिए। अलग-अलग मामलों से जुड़े समस्याओं के निस्तारण के लिए उन्होंने संबंधित प्रशासनिक व पुलिस अधिकारियों को प्रार्थना पत्र संदर्भित कर निर्देशित किया कि सभी समस्याओं का निस्तारण समयबद्ध, निष्पक्ष और सन्तुष्टिपरक होना चाहिए। अपराध व जमीन कब्जा किए जाने से संबंधी शिकायतों पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथने पुलिस अधिकारियों को अपराधियों व भू माफिया के खिलाफ सख्त कार्यवाही करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा यदि कोई दबंग, माफिया किसी की जमीन जबरन कब्जा कर रहा हो तो उसके खिलाफ कठोर से कठोर कार्रवाई की जाए। गरीबों को उजाड़ने वाले कतई न बख्शे जाएं। जनता दर्शन में हर बार की तरह कुछ लोग इलाज के लिए आर्थिक मदद की गुहार लेकर आए थे। मुख्यमंत्री ने उन्हें भरोसा दिया कि धन के अभाव में किसी का इलाज नहीं रुकेगा।

उन्होंने अफसरों को निर्देश दिया कि जो भी जरूरतमंद हैं, प्रशासन उनके उच्च स्तरीय इलाज का इस्टीमेट शीघ्रता से बनवाकर उपलब्ध कराए। इस्टीमेट मिलते ही सरकार तुरंत धन उपलब्ध कराएगी। इस दौरान यह निर्देश भी दिया कि अधिकारी यह भी सुनिश्चित करें कि जिन लोगों के पास आयुष्मान कार्ड है, उन्हें इलाज में किसी तरह की दिक्कत न होने आए। साथ ही जो पात्र लोग किन्हीं कारणों से वंचित हैं, उनके आयुष्मान कार्ड बनवाए जाएं। जनता दर्शन में कुछ महिलाएं अपने बच्चों को लेकर आई थीं। मुख्यमंत्री ने इन बच्चों को खूब दुलारा और चॉकलेट के साथ आशीर्वाद दिया।

मंदिर की गोशाला में गोवंश को दुलारकर खिलाया गुड़

गोरखपुर। गोरखनाथ मंदिर प्रवास के दौरान शुक्रवार सुबह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की दिनचर्या परंपरागत रही। उन्होंने प्रात:काल गोरखनाथ मंदिर में शिवावतार गुरु गोरखनाथ का दर्शन-पूजन किया और अपने गुरु ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ की समाधि स्थल पर जाकर मत्था टेका। सीएम योगी जब भी गोरखनाथ मंदिर में होते हैं तो गोसेवा उनकी दिनचर्या का अभिन्न हिस्सा रहती है। शुक्रवार सुबह वह मंदिर परिसर का भ्रमण करते हुए मंदिर की गोशाला में पहुंचे और वहां कुछ समय व्यतीत किया। गोशाला में सीएम योगी ने चारों तरफ भ्रमण करते हुए श्यामा, गौरी, गंगा, भोला आदि नामों से गोवंश को पुकारा। उनकी आवाज इन गोवंश के लिए जानी पहचानी है। प्यार भरी पुकार सुनते ही कई गोवंश दौड़ते-मचलते हुए उनके पास आ गए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सभी के माथे पर हाथ फेरा, उन्हें खूब दुलारा और अपने हाथों से उन्हें गुड़ खिलाया।

सीएम से बोले नन्हे योद्धा, हैप्पी बर्थडे महाराज जी

गोरखपुर। शुक्रवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मिलने मार्शल आर्ट्स सीखने वाले नन्हे योद्धाओं का समूह भी पहुंचा। इनमें बालिकाओं की संख्या अधिक रही। इन नन्हे योद्धाओं ने मुख्यमंत्री को ह्यहैप्पी बर्थडे महाराज जीह्न कहते हुए गुलाब का फूल भेंट किया। मुख्यमंत्री का जन्मदिन कल 5 जून को था। बच्चों से मिली शुभकामना पर सीएम मुस्कुराने लगे और उन्हें आशीर्वाद के साथ चॉकलेट गिफ्ट किए। सन्यास का मार्ग चुनने के बाद ही योगी आदित्यनाथ खुद अपना जन्मदिन नहीं मनाते हैं। पर, प्रतिवर्ष उनके जन्मदिन को लेकर समाज के हर आयु वर्ग में उल्लास छाया रहता है। गुरुवार (5 जून) को उनके जन्मदिन को विविध कार्यक्रमों के बीच संगठनों और लोगों ने मनाया। इसी क्रम में शुक्रवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मिलकर उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं देने के लिए मार्शल आर्ट्स सीखने वाले बच्चे भी गोरखनाथ मंदिर पहुंचे। इन बच्चों ने गुलाब का फूल और एक स्मृति चिह्न देकर सीएम को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने मुख्यमंत्री को मार्शल आर्ट्स के कुछ स्टेप्स भी दिखाए। सीएम ने बच्चों की शुभकामनाओं को बड़े ही प्यार से स्वीकार किया और उन्हें दुलारते हुए खूब आशीर्वाद दिया। उन्होंने बच्चों से उनके प्रशिक्षण और पढ़ाई को लेकर बातचीत की चॉकलेट देकर उनके साथ फोटो भी खिंचवाई।

बैंकॉक में यूपी टूरिज्म की इंटरनेशनल ब्रांडिंग की तैयारी में जुटी योगी सरकार

थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक में आयोजित होने जा रहा 'पीएटीए 2025', उत्तर प्रदेश के पर्यटन स्थलों की होगी बढ़चढ़ कर ब्रांडिंग

- 26 से 28 अगस्त 2025 तक बैंकॉक में आयोजित होगा प्रतिष्ठित एशिया ट्रैवल एसोसिएशन (पीएटीए) 2025

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार राज्य की समृद्ध सांस्कृतिक, आध्यात्मिक और ऐतिहासिक विरासत को वैश्विक पटल पर चमकाने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। इस दिशा में उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग आगामी 26 से 28 अगस्त 2025 तक बैंकॉक में आयोजित होने वाले प्रतिष्ठित पैसिफिक एशिया ट्रैवल एसोसिएशन (PATA) 2025 में अपनी भव्य उपस्थिति दर्ज कराने की तैयारी में जुट गया है। यह आयोजन उत्तर प्रदेश को अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों और निवेशकों के लिए एक आकर्षक टूरिस्ट डेस्टिनेशन के रूप में पेश करेगा, जिससे प्रदेश की पर्यटन क्षमता और अर्थव्यवस्था को नई ऊंचाइयां मिलेंगी।

प्रदर्शित होगी उत्तर प्रदेश के भव्य विरासत की झलक

PATA बैंकॉक 2025 में उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग 36 वर्ग मीटर के शानदार स्टॉल के माध्यम से राज्य की अनूठी छटा प्रदर्शित करेगा। यहां बौद्ध सर्किट जैसे सारनाथ, कुशीनगर और श्रावस्ती, साथ ही आध्यात्मिक और ऐतिहासिक स्थल जैसे वाराणसी, अयोध्या और महाकुम्भ को प्रमुखता दी जाएगी। स्टॉल में एलईडी वॉल स्क्रीन और ऑटो-नेविगेशन स्क्रीन पर राज्य के पर्यटन स्थलों की जीवंत छवियां प्रदर्शित की जाएंगी। पर्यटक एआर (आग्युमेंटेड रियलिटी) आधारित डिजिटल टच पैनल पर उत्तर प्रदेश के छह खूबसूरत स्थलों की पृष्ठभूमि में सेल्फी भी ले सकेंगे। यहां आने वाले मेहमानों को न केवल उत्तर प्रदेश की हस्तकला और ओडीओपी (वन डिस्ट्रिक्ट, वन प्रोडक्ट) से परिचित कराया जाएगा, बल्कि प्रदेश के ऐतिहासिक मंदिर, उनकी वास्तुकला और महात्म्य का भी रचनात्मक प्रदर्शन होगा, जिससे प्रदेश की समृद्ध धार्मिक-सांस्कृतिक परंपरा की विशिष्ट झलक मिलेगी।

रोडशो में 100 से अधिक स्टेक होल्डर्स को जोड़ने की तैयारी

आयोजन में न केवल यूपी की प्रदर्शनी देखने को मिलेगी बल्कि योगी सरकार की इससे आगे बढ़कर बैंकॉक में एक दिन के अंतरराष्ट्रीय रोडशो का आयोजन भी करेगी, जो PATA आयोजन से पहले या बाद में होगा। इस शानदार रोडशो में 100 से अधिक स्टेक होल्डर्स प्रतिभाग करेंगे, जैसे ट्रैवल ट्रेडर्स, ट्रैवल मीडिया और प्रभावशाली हस्तियां भी मौजूद रहेंगी।

टीवी, रेडियो और आउटडोर ब्रांडिंग पर जोर

उत्तर प्रदेश को वैश्विक पर्यटन मानचित्र पर चमकाने के लिए योगी सरकार ने प्रभावी प्रचार रणनीति तैयार की है। सरकार द्वारा थाईलैंड के तीन प्रमुख टीवी और तीन रेडियो चैनलों पर 30-सेकंड की प्रचार सामग्री सुबह और शाम के पीक आवर्स में तीन दिनों तक प्रसारित होगी। इसके अलावा, बैंकॉक के हवाई अड्डों, मेट्रो स्टेशनों, मॉल और बस टर्मिनस जैसे 10 प्रमुख स्थानों पर 30-सेकंड की प्रचार सामग्री 15 बार प्रतिदिन, तीन दिनों तक दिखाई जाएगी। स्थिर डिजिटल स्क्रीन भी तीन दिनों तक ब्रांडिंग को बढ़ावा देंगे। दो मुख्यधारा और दो यात्रा-संबंधी पत्रिकाओं व अखबारों को भी यूपी के पर्यटन सेक्टर के प्रचार-प्रसार मुहिम से जोड़ा जाएगा। कुल मिलाकार ढअळअ 2025 उत्तर प्रदेश की खूबसूरती, आध्यात्मिकता और यहां पर्यटन सेक्टर में निवेश के अवसरों को दुनिया के सामने लाने का बड़ा मंच साबित होने जा रहा है।

आयोजन बैंकॉक के द वेस्टिन ग्रांड सुखमवित, बैंकॉक मारियट मार्क्विस क्वीन्स पार्क या रैडिसन ब्लू प्लाजा जैसे तारांकित होटल में होगा। यहां हाई-टी, सेमिनार और कार्यशालाएं आयोजित की जाएंगी, जो उत्तर प्रदेश के पर्यटन पैकेज और निवेश अवसरों को हाइलाइट करेंगी। यहां तस्वीरें, फिल्में और प्रचार सामग्री भी प्रदर्शित की जाएंगी। अंग्रेजी में निपुण अधिकारी और स्थानीय भाषा के दुभाषिए आगंतुकों को प्रदेश की खूबियों से रूबरू कराएंगे, जिससे वैश्विक स्तर पर उत्तर प्रदेश की अपील बढ़ेगी।

22 जून तक पूरा कर लें आयुष विवि के सभी कार्य: मुख्यमंत्री

गोरखपुर। राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मु के हाथों 30 जून को संभावित लोकार्पण को देखते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार दोपहर बाद भटहट के पिपरी में बन रहे प्रदेश के पहले आयुष विश्वविद्यालय के निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने निर्माण कार्य में हुई देरी को लेकर लोक निर्माण विभाग और कार्यदायी संस्था के प्रति गहरी नाराजगी जताई और कहा कि मैन पॉवर बढ़ाकर युद्ध स्तर पर काम कराया जाए और इसकी सतत मॉनिटरिंग एक टीम लगाकर की जाए। निरीक्षण के बाद बैठक करते हुए उन्होंने लोक निर्माण विभाग और कार्यदायी संस्था के अधिकारियों को निर्देशित किया कि तक सभी बचे काम हर हाल में 22 जून पूरा कर लें ताकि 30 जून को राष्ट्रपति के हाथों प्रस्तावित लोकार्पण कार्यक्रम को सफलतापूर्वक आयोजित किया जा सके।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने निरीक्षण के दौरान सबसे पहले आयुष विश्वविद्यालय के निर्माण की भौतिक प्रगति की जानकारी ली। उन्हें बताया कि करीब 96 प्रतिशत निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है। इस संबंध में आयुष विश्वविद्यालय के कुलपति और कार्यदायी संस्था के अधिकारियों से बातचीत करते हुए वह प्रशासनिक भवन पहुंचे। प्रशासनिक भवन में उन्होंने ओपीडी और औषधि भंडार के साथ पूरे भवन का सघन जायजा लिया।

समाज की जरूरत के अनुरूप संसाधन व सुविधाएं जुटाना सरकार का दायित्व: योगी

4.52 करोड़ रुपये की लागत से बने शहर के दूसरे कल्याण मंडपम का लोकार्पण किया

- कल्याण मंडपम की पहल करने वाला प्रदेश का पहला नगर निगम है गोरखपुर : मुख्यमंत्री
- आय के अनुरूप बेहतरीन सुविधाएं देकर हर तबके का जीवन बनाया जा सकता है आसान : मुख्यमंत्री

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा किसी भी सभ्य समाज के लिए उसकी जरूरत के अनुरूप आवश्यक सुविधाएं और संसाधन जुटाना लोकप्रिय सरकार का दायित्व होना चाहिए। सुविधाओं और संसाधनों की व्यवस्था होना समस्या समाधान का भी मंच बनता है। हमारा प्रयास होना चाहिए कि आज के समय में समाज के अलग-अलग तबके के लिए उनकी आय के अनुरूप बेहतरीन सुविधाएं और व्यवस्थाएं देकर उनका जीवन आसान बना सकें।

सीएम योगी शुक्रवार को सूरजकुंड कॉलोनी में बने शहर के दूसरे कल्याण मंडपम का लोकार्पण करने के बाद उपस्थित जनसमूह को संबोधित कर रहे थे। यह कल्याण मंडपम नगर निगम की तरफ से 4.52 करोड़ रुपये की लागत से 35500 वर्गफीट क्षेत्र में बनाया गया है। कल्याण मंडपम के लोकार्पण समारोह में मुख्यमंत्री ने कहा कि गोरखपुर नगर निगम प्रदेश का पहला नगर निगम है जिसने निम्न और मध्यम आय वर्ग के लोगों के मांगलिक कार्यक्रमों को सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए कल्याण मंडपम बनाने की पहल की। 11 से 25 हजार रुपये में यदि मांगलिक कार्य के लिए कल्याण मंडपम जैसा स्थल मिल जाए तो समारोह काफी आसानी, अच्छे और सस्ते में हो सकता है। इसके अलावा नगर निगम की तरफ से पांच और कल्याण मंडपम निमार्णाधीन हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने विधायक निधि का पूरा पैसा कल्याण मंडपम के लिए दे दिया है। कहा कि गोरखपुर नगर निगम जैसी संस्थाएं अन्य निकायों के लिए मानक बन सकती हैं।

मुख्यमंत्री ने नागरिकों को स्वच्छता और और पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि किसी भी अच्छी व्यवस्था के लिए पहल करनी पड़ती है और यह सामूहिक जिम्मेदारी होती है। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी स्वच्छता को प्राथमिकता देते हैं। यह हम सबका भी दायित्व होना चाहिए। इस अवसर पर सीएम ने पार्षदों से अपील की कि वे अपने वार्डों में मोहल्ला समितियां गठित कराएं। सफाई की निगरानी इस समिति के जिम्मे हो और साथ ही समितियों को पौधरोपण और पर्यावरण संरक्षण से भी जोड़ा जाए।

भयावह स्थितियों से बचने को प्रकृति की शरण में जाना होगा

मुख्यमंत्री ने जलवायु परिवर्तन के कारण अत्यधिक बारिश, असमय बारिश और सूखा पड़ने के संकट की चर्चा करते हुए कहा कि ऐसे संकट पूरे क्षेत्र को चपेट में लेते हैं। मानव जनित समस्या के समाधान का मार्ग भी मानव को ही बनाना होगा। सीएम योगी ने कहा कि क्लाइमेट चेंज की भयावह स्थितियों से बचने के लिए प्रकृति की शरण में जाना होगा। उन्होंने पर्यावरण की समस्या के समाधान के पीएम मोदी के आह्वान के अनुरूप एक पेड़ मां के नाम लगाने, नदियों के कैचमेंट एरिया में दोनों तरफ पौधरोपण करने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि नदियां राष्ट्र रूपी शरीर की धमनियों जैसी हैं। इनके लुप्त होने पर जलसंकट उत्पन्न हुआ। गोड़धोइया नाला भी कभी नदी थी। नदी से नाला और उस पर भी कब्जे की स्थिति बन गई। आज गोड़धोइया को पुनर्जीवित किया जा रहा है।

शहर के विकास और नगर निगम की परियोजनाओं की विस्तार से चर्चा की सीएम ने

अपने संबोधन के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सड़क कनेक्टिविटी, खाद कारखाना, एम्स, रामगढ़ताल के सौंदर्यीकरण सहित विकास के अनेक आयामों की चर्चा की। कहा कि आज गोरखपुर चारों तरफ से फोरलेन सड़कों से कनेक्टेड है। पहले यहां कोई रिंग रोड नहीं था आज शहर के अंदर और बाहर फोरलेन रिंग रोड की कनेक्टिविटी है। इस अवसर पर उन्होंने नगर निगम की इंटीग्रेटेड वेस्ट मैनेजमेंट सिटी सुथनी, बंधु सिंह पार्क में मल्टीलेवल पार्किंग, इंदिरा बाल विहार में फूड स्ट्रीट, घंटाघर और लालडिग्गी पार्क के सौंदर्यीकरण, टीपी नगर में कमर्शियल कॉम्प्लेक्स, ताल नदोर में बन रहे कान्हा उपवन आदि परियोजनाओं से होने वाले बदलाव का भी उल्लेख किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि हम सभी को विकास प्रक्रिया में संवेदनशील और सतर्क रहना होगा।

भव्यता से मनाएं योग दिवस

कार्यक्रम में सीएम योगी ने जनमानस से अपील की 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस भव्यता से मनाएं। हर वार्ड-मोहल्ले में योग दिवस के कार्यक्रम हों। उन्होंने कहा कि योग आरोग्यता की गारंटी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने योग को वैश्विक मान्यता दिलाई है। उन्होंने एक देश-एक विधान का उद्घोष करने वाले पंडित श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस पर 23 जून को एक पेड़ मां के नाम लगाने की अपील की। मंचीय कार्यक्रम से पूर्व मुख्यमंत्री ने बटन दबाकर और फीता काटकर कल्याण मंडपम का औपचारिक उद्घाटन किया। इसके बाद उन्होंने मंडपम का भ्रमण कर यहां के इंफ्रास्ट्रक्चर और सुविधाओं की जानकारी ली। मंच पर उन्होंने नगर निगम के विभिन्न विभागों के दस कर्मचारियों को उत्कृष्ट कार्य के लिए प्रशस्ति पत्र और उपहार देकर सम्मानित किया।

स्मार्ट सिटी के साथ सेफ सिटी पर भी जोर

सीएम योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्मार्ट सिटी का जो विजन दिया है, उसे सेफ सिटी में भी बदलना है। हमें ऐसा शहर बनाना है जहां बेटी, व्यापारी, बच्चे, संभ्रांत समेत समाज का हर व्यक्ति खुद को सुरक्षित महसूस कर सके। इसके लिए पुख्ता व्यवस्था करनी होगी ताकि सुरक्षा में सेंध लगाने की हिम्मत करने वाले जान लें कि उन्हें इसकी क्या कीमत चुकानी पड़ेगी। सेफ सिटी की अवधारणा को साकार करने के लिए सीएम योगी ने आह्वान किया कि हर व्यक्ति अपने घर के बाहर कैमरे लगवाए इससे प्रौद्योगिकी सुरक्षा का बड़ा माध्यम बनेगी।

विकास के साथ जन कल्याण में नजीर पेश कर रहा गोरखपुर: रविकिशन

कल्याण मंडपम के लोकार्पण समारोह को संबोधित करते हुए सांसद रविकिशन शुक्ल ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आशीर्वाद से आज गोरखपुर विकास के साथ जन कल्याण के क्षेत्र में नजीर पेश कर रहा है और कल्याण मंडपम उसी का प्रमाण है। सीएम के नेतृत्व में विकास की उस अवधारणा को साकार किया जा रहा है जो रोजगार को भी बढ़ावा देती है। मुख्यमंत्री ने शिक्षा, स्वास्थ्य, विकास, रोजगार, जन कल्याण के क्षेत्र में उत्तर प्रदेश को पूरे देश में अग्रणी बना दिया है।

सीएम योगी के मार्गदर्शन में प्रतिबद्धता से कार्य कर रहा नगर निगम : महापौर

कल्याण मंडपम के लोकार्पण समारोह में मुख्यमंत्री का स्वागत करते हुए महापौर डॉ. मंगलेश श्रीवास्तव ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में नगर निगम गोरखपुर को उत्कृष्ट शहर बनाने के लिए पूरी प्रतिबद्धता से कार्य कर रहा है। मुख्यमंत्री की प्रेरणा से स्वच्छता बढ़ाने और वायु-जल के प्रदूषण को न्यूनतम करने में सतत सफलता मिल रही है। कार्यक्रम में गोरखपुर ग्रामीण के विधायक विपिन सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अभूतपूर्व विकास कार्यों से गोरखपुर को एक नई पहचान दी है। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष साधना सिंह, एमएलसी एवं भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. धर्मेंद्र सिंह, विधायक महेंद्रपाल सिंह, प्रदीप शुक्ल, राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष चारू चौधरी, नगर निगम के उप सभापति धर्मदेव चौहान, पूर्व महापौर अंजू चौधरी, सत्या पांडेय, भाजपा के क्षेत्रीय अध्यक्ष सहजानंद राय, स्थानीय पार्षद आरती सिंह, महानगर अध्यक्ष देवेश श्रीवास्तव, पूर्व अध्यक्ष राजेश गुप्ता, पुष्पदंत जैन आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

अहिल्याबाई के नाम होगा वर्किंग वूमेन हॉस्टल

कल्याण मंडपम के लोकार्पण समारोह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने घोषणा की कि गोरखपुर नगर निगम द्वारा बनाया जाने वाला 75 बेडेड वर्किंग वूमेन हॉस्टल महिला सशक्तिकरण की प्रतिमान और धर्म-संस्कृति के प्रति समर्पित रहीं लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर के नाम पर होगा। कामकाजी महिलाओं के लिए बनने वाले छात्रावास का यह नामकरण लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर की तीन सौवीं जयंती पर उनकी स्मृतियों को जीवंत कर सदैव प्रेरित करेगा। मुख्यमंत्री ने कहा अहिल्याबाई होल्कर ने समाज के सभी वर्षों के उत्थान के लिए अनुकरणीय कार्य किए। वह महान शिवभक्त थीं और काशी विश्वनाथ मंदिर, पुरी मंदिर, गयाजी मंदिर, महाकाल मंदिर, ओंकारेश्वर मंदिर, सोमनाथ मंदिर के पुनरोद्धार का कार्य कर धर्म और संस्कृति की भी रक्षा की।

सेहत/स्वास्थ्य

हार्ट बर्न की समस्या से राहत पाने के लिए अपनाएं ये घरेलू नुस्खे, झटपट मिलेगा आराम

हार्ट बर्न या एसिड रिफलक्स भी कहा जाता है। वहीं इसके लिए कई तरह की दवाईयां भी आपको मार्केट में मिल जाएंगी

गलत खानपान के कारण सीने में जलन होने लगती है। इसको हार्ट बर्न या एसिड रिफलक्स भी कहा जाता है। इस समस्या से बचने के लिए आपको कुछ कारगर उपायों के बारे में बताने जा रहे हैं।

अनन्या मिश्रा

गर्मियों के मौसम में अक्सर सीने में जलन होने लगती है। यह पाचन तंत्र से जुड़ी समस्या है। गलत खानपान के कारण सीने में जलन होने लगती है। इसको हार्ट बर्न या एसिड रिफलक्स भी कहा जाता है। वहीं इसके लिए कई तरह की दवाईयां भी आपको मार्केट में मिल जाएंगी। लेकिन अगर आप इस समस्या से घरेलू तरीके से निजात पाना चाहते हैं। तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ ऐसे उपायों के बारे में बताने जा रहे हैं। जिनको अपनाने से आप सीने में जलन और बेचैनी की समस्या से राहत पा सकते हैं।

एप्पल साइडर विनेगर

एप्पल साइडर विनेगर या सेब का सिरका सीने के जलन को कम करने में मददगार है। इसके लिए आप दो छोटे चम्मच एप्पल साइड विनेगर को एक गिसाल पानी में मिलाकर पिएं। इससे एसिडिटी की समस्या दूर होती है। साथ ही इस घरेलू नुस्खे को करने से वेट भी कंट्रोल में रहता है।

लौंग

सीने में जलन की समस्या होने पर लौंग चूसना भी काफी मददगार साबित हो सकता है। अगर आपका खाया-पिया आसानी से नहीं पचता है, तो लौंग के सेवन से आपको लाभ मिल सकता है। साथ ही यह मुंह से आने वाली बदबू से भी छुटकारा दिलाने में सहायक होती है।

अजवाइन

सीने की जलन को दूर करने में अजवाइन भी फायदेमंद होती है। इस समस्या से राहत पाने के लिए रात को एक गिलास पानी में अजवाइन भिगोकर रख दें। फिर अगले दिन सुबह खाली पेट इस पानी का सेवन करें। या फिर आप चाहें तो इसका काढ़ा बनाकर भी पी सकते हैं। इससे आपका पाचन सही रहेगा और हार्ट बर्न की समस्या से भी राहत मिलेगी।

एलोवेरा जूस

एलोवेरा जूस अपच, गैस और एसिडिटी से निजात दिलाने में सहायक होता है। आप इसके पल्प का जूस बनाकर पी सकते हैं। एलोवेरो जूस का सेवन करने से मेटाबॉलिज्म रेट भी बेहतर होता है।

छाछ पिएं

हार्ट बर्न की समस्या से राहत पाने के लिए आप छांछ का भी सेवन कर सकते हैं। छांछ में मौजूद एसिडिक तत्व अपच, गैस और एसिडिटी से राहत दिलाने का काम करते हैं। वहीं गर्मी के मौसम में छांछ का सेवन करने से पेट ठंडा रहता है।

ब्यूटी / फैशन

प्रियंका चोपड़ा की तरह पाएं खिली-खिली त्वचा, डी-टैन मास्क से गोरी होगी स्किन

ग्लोबल स्टार प्रियंका चोपड़ा की तरह आप भी चाहते हैं खिली-खिली स्किन, तो गर्मी के मौसम उनके द्वारा बताए गए डी-टैन मास्क का इस्तेमाल कर शुरू कर दें। यहां देखिए मास्क बनाने का तरीका-

दिव्यांशी भदौरिया

भीषण गर्मी में स्किन पर टैनिंग की समस्या का होना कॉमन है। दरअसल, तेज धूप की वजह से त्वचा काली होने होने लगती है। क्या कभी आपने सोचा है कि, दिनभर धूप में रहने वाले एक्टर्स की स्किन काली क्यों नहीं होती है? क्योंकि यह सभी स्किन केयर रुटीन फॉलो करते हैं। एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा स्किन से टैनिंग को दूर करन के लिए घर पर ही डी टैन मास्क का इस्तेमाल करती हैं। अगर आप केमिकल युक्त ब्यूटी प्रोडक्ट यूज नहीं करना चाहती हैं, तो प्रियंका चोपड़ा की तरह डी टैन मास्क बनाकर लगाएं।

डी टैन पैक बनाने के लिए सामग्री

- 2 बड़े चम्मच बेसन
- 2 बड़ा चम्मच दही
- 1 बड़ा चम्मच दूध
- आधा चम्मच चंदन पाउडर
- आधा नींबू का रस
- 2 चुटकी हल्दी

कैसे बनाएं डी टैन पैक

इस डी टैन पैक को बनाने के लिए एक कटोरी लें। फिर इसमें बेसन और दही डालकर अच्छे से मिक्स कर दें। फिर

इसमें नींबू का रस और दूध मिक्स करें। जब ये अच्छे से मिक्स हो जाए तो पेस्ट में चंदन पाउडर और हल्दी डालकर अच्छे से मिक्स कर दें। प्रियंका चोपड़ा के बताए तरीके से डी- टेन स्क्रब तैयार है।

कैसे चेहरे पर लगाएं

इस डी-टैन पैक को तैयार करने के बाद इसे अपनी टैन स्किन पर लगाएं और थोड़ी देर तक सूखने दें। जब ये सूख जाए तो पेस्ट को हाथों से रब करके स्क्रब करें। फिर पानी से अच्छी तरह से साफ करें। हफ्ते में 2-3 बार इस्तेमाल करें।

पर्यटन

केरल के इस अनोखे में मंदिर में सांपों की होती है पूजा, निसंतान दंपति को मिलता है संतान सुख

हिंदू धर्म में नागों को पूजनीय माना जाता है। बता दें कि केरल के हरिपद के जंगलों में स्थित प्राचीन मन्नारसाला मंदिर नागों को समर्पित है। इस मंदिर को लेकर अपनी मान्यताएं और लोकप्रियता है।

अनन्या मिश्रा

हिंदू धर्म में नागों को पूजनीय माना जाता है। बता दें कि केरल के हरिपद के जंगलों में स्थित प्राचीन मन्नारसाला मंदिर नागों को समर्पित है। इस मंदिर को लेकर अपनी मान्यताएं और लोकप्रियता है। यह मंदिर विश्व स्तर पर प्रसिद्ध तीर्थ स्थल है। इस मंदिर में आपको नागराज और देवी नागयक्षी की अनोखी प्रतिमा देखने को मिलेगी। इस मंदिर का इतिहास भगवान परशुराम से जुड़ा है। भगवान परशुराम ने केरल की भूमि को समुद्र से प्राप्त किया और फिर इस भूमि को ब्राह्मणों को दान कर दिया। यह मंदिर अपनी अनूठी वास्तुकला और समृद्ध इतिहास के लिए फेमस है।

मंदिर की खासियत

आपको बता दें कि केरल के मन्नारशाला मंदिर में 1,00,000 से ज्यादा सांपों की प्रतिमाएं या छवियां स्थापित हैं। मन्नारशाला मंदिर मुख्य रूप से नागराज और उनकी अर्धांगिनी नागायक्षी देवी को समर्पित है। इस मंदिर में नागराज और देवी नागयक्षी की अनोखी प्रतिमा स्थापित है। इस मंदिर के दर्शन के लिए देश से ही नहीं बल्कि विदेश से भी लोग आते हैं। मन्नारशाला मंदिर 16 एकड़ के क्षेत्र में फैला है। इस मंदिर की पुजारी महिला होती है। जिनको मन्नारशाला अम्मा के नाम से जाना जाता है। मंदिर की पुजारी यानी की मुख्य पद इल्लम की सबसे वरिष्ठ महिला को दिया जाता है।

मंदिर का इतिहास

मन्नारशाला मंदिर का इतिहास भगवान श्रीहरि विष्णु के छठवें अवतार परशुराम से जुड़ा है। परशुराम को केरल का निमार्ता माना जाता है। बताया जाता है कि केरल की भूमि को परशुराम ने ब्राह्मणों को दान कर दिया था। इस स्थान पर कई जहरीले सांप पाए जाते थे, जिस कारण लोगों का वहां रहना मुश्किल था। तब भगवान परशुराम ने शिव-शंकर की कठोर तपस्या कर प्रसन्न किया था। तपस्या से प्रसन्न होकर भगवान शिव ने उनको सांपों के राजा नागराज की पूजा करने की सलाह दी थी। जिससे कि मिट्टी में सांपों का जहर फैल जाए और भूमि उपजाऊ हो जाएगी। महादेव के कहे मुताबिक परशुराम भगवान ने मन्नारसला में नागराज की मूर्ति स्थापित की और फिर अनुष्ठान करने के लिए एक ब्राह्मण परिवार को नियुक्त किया। आज भी उस परिवार के लोग इस मंदिर में पूजा-अर्चना करते हैं। इन्हें इल्लम नाम से जाना जाता है।

मान्यता

मान्यता के अनुसार, जिस भी दंपति इस मंदिर में संतान की कामना लेकर जाते हैं। उसे संतान सुख प्राप्त होता है। बता दें कि मन्नारसला मंदिर में कई त्योहारों का धूमधाम से आयोजन होता है। इस दौरान भक्तों और पर्यटकों की मंदिर में भारी भीड़ उमड़ती है। मलयालम महीने थुलम में पड़ने वाला मन्नारसाला अयिल्यम त्योहार सबसे ज्यादा अहम माना जाता है। वहीं यह पर्व सर्पबली के साथ समाप्त होता है। वहीं इस दौरान मंदिर जाने वाले निसंतान दंपति को संतान की प्राप्ति होती है और नाग देवता का आभार व्यक्त करते हैं।

घरेलू नुस्खे

शोधकताओं को क्लिनिक ट्रायल में मिले सकारात्मक परिणाम, बाजार में कब होगी उपलब्ध?

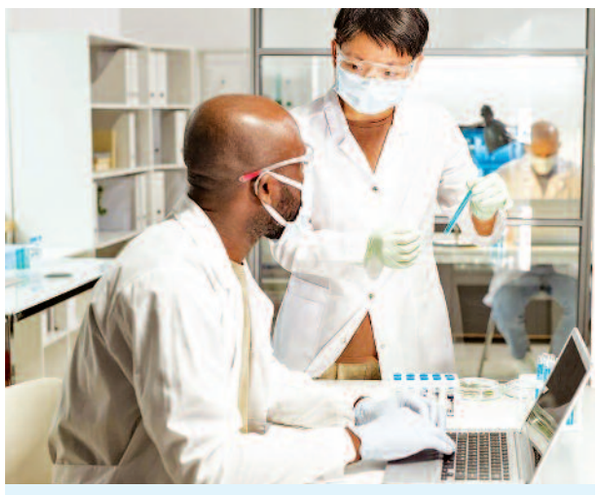

शोधकताओं ने पुरुषों के शुक्राणु के उत्पादन को रोकने के लिए एक जेल विकसित किया था, जिसके क्लिनिक ट्रायल में सकारात्मक परिणाम देखने को मिले हैं। शोधकताओं का कहना है कि उनका प्रायोगिक उत्पाद एक एक हार्मोनल जेल है, जिसे पुरुषों को रोज एक बार अपने कंधों पर लगाना हैं।

एकता

पुरुष गर्भनिरोधक विकसित करने में दशकों की विफलता के बाद, शोधकताओं को अंततः एक बड़ी सफलता मिली है। शोधकताओं ने पुरुषों के शुक्राणु के उत्पादन को रोकने के लिए एक जेल विकसित किया था, जिसके क्लिनिक ट्रायल में सकारात्मक परिणाम देखने को मिले हैं। शोधकताओं का कहना है कि उनका प्रायोगिक उत्पाद एक एक हार्मोनल जेल है, जिसे पुरुषों को रोज एक बार अपने कंधों पर लगाना हैं। समय के साथ, यह वृषण में शुक्राणु के उत्पादन को रोक देगा।

नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ और गैर-लाभकारी जनसंख्या परिषद द्वारा विकसित किए गए इस जेल में शोधकताओं ने दो हार्मोन नेस्टोरोन (एक प्रोजेस्टिन) और टेस्टोस्टेरोन का इस्तेमाल किया है, जो पुरुष सेक्स हार्मोन है। बता दें, नेस्टोरोन वृषण में टेस्टोस्टेरोन के उत्पादन को दबाता है और शुक्राणु के विकास को भी रोकता है।

पुरुष गर्भनिरोधक जेल कैसे काम करता है?

कंधे की हड्डियों के बीच 5 मिलीलीटर हार्मोनल जेल को प्रतिदिन एक बार लगाया जाता है। जेल का सेजेस्टेरोन एसीटेट घटक, जो एक सिंथेटिक

प्रोजेस्टेरोन है, वृषण में टेस्टोस्टेरोन को बनाए रखने के लिए आवश्यक हार्मोन को दबाता है, जिससे शुक्राणु उत्पादन बाधित होता है।

क्या पुरुष गर्भनिरोधक सुरक्षित और प्रभावी है?

शोधकर्ता 2005 से इस जेल की खुराक को तैयार करने पर काम कर रहे हैं। उनके हाल के चरण 2बी परीक्षणों में शामिल 300 से अधिक जोड़ों ने इसे सही पाया है। बता दें, प्रति मिलीलीटर वीर्य में लगभग 15 मिलियन से 200 मिलियन स्पर्म पाए जाते हैं, जिनकी संख्या इस जेल को लगाने के बाद प्रति मिलीलीटर 1 मिलियन से कम हो गयी। शुक्राणुओं की ये संख्या गर्भावस्था को रोकने के लिए पर्याप्त कम है। चूंकि गर्भनिरोधक जेल अभी परीक्षणों से गुजर रहा है, इसलिए शोधकर्ता इसके लंबे समय की सुरक्षा और प्रभावकारिता की अभी भी जांच कर रहे हैं है। लेकिन उनके शोध के शुरूआती निष्कर्ष आशाजनक हैं।

पुरुष गर्भनिरोधक कब उपलब्ध हो सकता है?

इस वर्ष के अंत तक जेल का परीक्षण समाप्त होने की उम्मीद है, जिसके बाद शोधकर्ता अगले चरण में परिणामों का विश्लेषण करेंगे। नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ के एक अधिकारी को उम्मीद है कि यह सकारात्मक परिणाम दिखाता रहेगा, लेकिन आगे बढ़ने के लिए अधिक धन की आवश्यकता है, और अभी, कोई वाणिज्यिक भागीदार नहीं है।

नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ चाइल्ड हेल्थ एंड ह्यूमन डेवलपमेंट की शाखा प्रमुख डायना ब्लिथ ने कहा, 'हम परिणामों से वास्तव में उत्साहित हैं। संयोजन हमारी अपेक्षा से बेहतर, तेज दमन प्रदान करता है।' उन्होंने आगे कहा, 'मैं कहूंगी कि हमारी उम्मीद थी कि यह हार्मोनल गर्भनिरोधक गोलियों के समान होगा। और मैं बस इतना कह सकती हूं कि यह उससे कहीं बेहतर है।'

साक्षरता शिविर 12 जून को आयोजित होगा

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मोदीनगर। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा दीये जाते है पैनल अधिवक्ता, मुख्य अतिथि कुमार मिताक्षर सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण गाजियाबाद।साक्षरता शिविर का आयोजन दिनांक 12 जून को तहसील मोदीनगर जिला गाजियाबाद में किया जायेगा, संजय मुदगल पैनल अधिवक्ता। मोदीनगर- उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ के निर्देश पर माननीय जिला जज आशीष गर्ग अध्यक्ष जनपद न्यायधीश जिला विधिक सेवा प्राधिकरण गाजियाबाद के नियंत्रण कुमार मिताक्षर सचिव/अपर जिला जज, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण गाजियाबाद के आदेश की देखरेख मे तहसील मोदीनगर, जिला गाजियाबाद में कार्यक्रम का आयोजन किया गया, शिविर का संचालन संजय मुदगल ने किया तथा शिविर की अध्यक्षता कुमार मिताक्षर सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण गाजियाबाद के द्वारा की गयी। पैनल अधिवक्ता संजय मुदगल द्वारा बताया गया विद्धावस्था पेंशन, निराश्रित महिला पेंशन, पारिवारिक लाभ, महिलाओ के कानूनी के अधिकार व जमीन सम्बन्धित समस्याए, जागरूक करने का शिविर द्वारा आयोजन किया गया, उपजिलाधिकारी मोदीनगर निखिल चक्रवती व तहसीलदार मोदीनगर रजत सिंह व पैनल अधिवक्ता संजय मुदगल ने बताया की सरकार द्वारा चलायी जा रही अनेको योजनाओ के विषय में महिलाओ के अधिकार व कानून की जिम्मेदारी दी।

अगर किसी भी महिलाओ व बेटीयों को कोई भी परेशानी हो तो इसकी शिकायत आप वन स्टॉप सेन्टर यूनिट-2 मोदीनगर व जिला विधिक सेवा प्राधिकरण गाजियाबाद कार्यालय मे कर सकते है। विचित्र कुमार असिस्टेंट लीगल एण्ड डिफेन्स काउंसिल अधिवक्ता द्वारा बताया गया कि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण महिलाओं किस प्रकार साहयता कर सकती है। कमल किशौर उपाध्याय द्वारा बताया गया कि जिला विधिक सेवा प्राधिकर सभी जिलो में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण निशुल्क साहयता प्रदान करती है, दीपाली वन स्टोप सेन्टर यूनिट-2 इंचार्ज द्वारा बालिकाओ के जन्म संबन्धित महिलाओ की योजनाओ की जानकारी दी। सरकार द्वारा चलायी जा रही योजनाओ को बताया। शिविर में सुधीर वशिष्ठ अधिवक्ता, रेखा गिरी अधिवक्ता, मृदुल अधिवक्ता, हनु प्रित कौर समाज सेविका, किर्ती सिंह, अमित सैनी, सपना, नीलम वर्मा पी0एल0वी0, गुजन, राहुल आदि उपस्थित रहें।

शरीर को फिट रखने और पर्यावरण को स्वच्छ रखने के लिए साइकिल एक बेहतर साधन है : डॉ एस सी अग्रवाल

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मोदीनगर। डॉक्टर के एन मोदी साइंस एंड कॉमर्स कॉलेज में चल रहे समर कैंप के अंतर्गत छात्रों को विभिन्न गतिविधियों से अवगत कराया । सर्वप्रथम सभी छात्रों को व्यायाम के विषय में विस्तार से बताया साथ ही साथ 3 जून को विश्व साइकिल दिवस पर छात्रों को साइकिल के महत्व के विषय में भी बताया। 3 जून 2018 को विश्व में पहली बार विश्व साइकिल दिवस मनाया गया । विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉक्टर सतीश चंद्र अग्रवाल ने बताया कि साइकिल चलाने से शारीरिक सक्रियता बढ़ती है जिससे वजन कम होता है। हृदय और स्वास्थ्य बेहतर होता है और मांसपेशियां मजबूत होती हैं। सभी छात्रों से ज्यादा से ज्यादा स्कूटी और मोटरसाइकिल की जगह साइकिल चलाने के लिए प्रेरित किया गया । इस अवसर पर प्रधानाचार्य ने उपस्थित शिक्षकों और छात्रों के साथ साइकिल चलाकर स्वस्थ रहने का संदेश दिया उन्होंने बताया कि हरे-भरे भविष्य के लिए साइकिल को अपनाना चाहिए आज हमें साइकिल को स्वास्थ्य पर्यावरण और समानता के लिए एक आंदोलन की आवश्यकता है ।भारत सबसे प्रदूषित देश में से एक है और यहां प्रदूषण का स्तर खतरनाक होता जा रहा है लिहाजा हमें साइकिल की तरफ बढ़ना ही चाहिए ।कहा जाता है कि रोजाना आधे घंटे साइकिल चलाने से ने केवल आपकी सेहत अच्छी रहती है बल्कि सालाना 150 किलोग्राम कार्बन उत्सर्जन को भी रोका जा सकता है।

एक अनुमान के मुताबिक अगर भारत के शहरी क्षेत्र में 15% लोग भी कार के बजाय साइकिल अपनाऐं तो प्रतिवर्ष 15 लाख टन कार्बन उत्सर्जन कम हो सकता है। ग्रामीण क्षेत्रों में यह ने केवल परिवहन का एक अहम साधन है बल्कि शिक्षा और सशक्तिकरण का जरिया भी है इस अवसर पर छात्रों को तंबाकू से होने वाली हानियों के बारे में भी बताया प्लास्टिक मुक्त अभियान के विषय में भी जागरूक किया गया और यह बताया कि तंबाकू दिवस मनाने का उद्देश्य छात्रों के द्वारा समाज में तंबाकू के उपयोग के खतरों के प्रति जागरूकता फैलाना और लोगों को इसके सेवन से रोकना है। समग्र शिक्षा माध्यमिक के अंतर्गत जिला विद्यालय निरीक्षक के आदेशों के क्रम में आज छात्रों को सामाजिक समस्याओं कुरीतियां पर्यावरण एवं स्वच्छता आदि पर लघु नाटक नुक्कड़ नाटकों का आयोजन किया गया विद्यार्थियों को स्वास्थ्य वर्धक एवं पौष्टिक आहार के बारे में जानकारी दी गई उन्हें क्या खाना चाहिए और क्या नहीं खाना चाहिए आदि के विषय में भी विस्तार से बताया गया। प्रधानाचार्य ने बताया कि विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून को विद्यालय में बड़े स्तर पर मनाया जाएगा । इस अवसर पर ज्यादा से ज्यादा छात्र और शिक्षक एक-एक पौधा लगाकर स्वच्छ पर्यावरण का संदेश देने का काम समाज में करेंगे।इस अवसर पर विद्यालय के प्रशासनिक अधिकारी और समर कैंप प्रभारी राजकुमार सिंह,एनसीसी अधिकारी प्रवीण जैनर,सतीश कुमार व नितिन आदि मुख्य रूप से उपस्थित थे।

योगी आदित्यनाथ के जन्मदिन पर सनातन हिन्दू वाहिनी ने निकली तिरंगा यात्रा

- मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के जन्मदिन पर उनके अच्छे स्वास्थ की कामना की, सुन्दरकाण्ड, हवन, तिरंगा यात्रा, भण्डारे का किया आयोजन

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मोदीनगर। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के जन्म दिन के उपलक्ष में सनातन हिन्दू वाहिनी उत्तर प्रदेश के तत्वाधान मे तिरंगा यात्रा निकाली और योगी आदित्यनाथ के दीघार्यु की कामना की। तिरंगा यात्रा का नगर में कई जगह भव्य स्वागत किया गया। सनातन हिन्दू वाहिनी के अविनाश शर्मा ने बताया कि सनातन हिन्दू वाहिनी उत्तर प्रदेश के तत्वाधान में गत 25 मई से 7 जून तक विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे है। जिसमें प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ के दीघार्यु एवं अच्छे स्वास्थ की कामना के लिए सुन्दरकाण्ड, हवन, तिरंगा यात्रा, भण्डारे आदि कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे है।

इसी कड़ी में आज शहीद स्थल गाजियाबाद से सनातन हिन्दू वाहिनी मेरठ मण्डल अध्यक्ष नरेन्द्र राणा एवं कोषाध्यक्ष अविनाश शर्मा के नेतृत्व में वाहिनी द्वारा मेरठ सुभारती के निकट ग्राम घाट के प्राचीन शिव मन्दिर तक तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया है। यात्रा का जगह-जगह पर भव्य स्वागत किया गया। मोदीनगर में आर एन रिसॉर्ट एवं बस स्टैंड के निकट नगर व्यापार मण्डल एवम कैमिस्ट एसोसिएसन मोदीनगर द्वारा सयुक्त रूप से तिरंगा यात्रा का भव्य स्वागत किया गया। इस यात्रा में शामिल लोगों को जलपान भी कराया गया। स्वागत करने वाली में मुख्य रूप से नगर व्यापार मण्डल के अध्यक्ष पवनकुमार केमिस्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष अविनाश शर्मा विजय कुमार नरेंद्र कुमार मुकेश कुमार आदि लोग थे।

स्वर्गीय कवि रामकुमार गुप्ता सौमित्र को दी भावभीनी श्रद्धांजलि

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मोदीनगर। हापुर रोड स्थित एक फार्म हाउस में आयोजित श्रद्धांजलि सभा में क्षेत्र के गणमान्य लोगों ने कवि रामकुमार गुप्ता सौमित्र को अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस मौके पर उनकी एक पुस्तक का भी विमोचन किया गया कवि रामकुमार गुप्ता को श्रद्धांजलि अर्पित करने वालों में सांसद डॉ राजकुमार सांगवान, पूर्व राज्य मंत्री रामकिशोर अग्रवाल,भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष दिनेश सिंघल,डॉक्टर पवन सिंघल, विनोद गोस्वामी, डॉक्टर मुकेश गर्ग, महेश तायल, अमित चौधरी, सभासद वेद प्रकाश चौधरी, सुबे सिंह, ललित मित्तल आदि मौजूद रहे।

प्रतिभाशाली छात्रा मनी वत्स को किया गया सम्मानित

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मोदीनगर। पूर्व सभासद एवं युवा समाजसेवी दीपक वत्स के भाई की सुपुत्री छात्रा मनी वत्स को 12वीं की बोर्ड परीक्षा में 82.8 प्रतिशत अंक प्राप्त करने पर गाजियाबाद में आयोजित भविष्य ज्योति एक कार्यक्रम में सम्मानित किया गया। आई ए एस आर्यन जैन, बेसिक शिक्षा अधिकारी ओमप्रकाश ,आई पी ई एम की डायरेक्टर श्रीमति गीति शर्मा द्वारा छात्रा मिनी वत्स को सम्मानित किया गया। प्रतिभाशाली छात्रा मनी वत्स को विधायक डॉ मंजू शिवाच पालिका अध्यक्ष विनोद वैशाली, पूर्व विधायक सुदेश शर्मा, पूर्व अध्यक्ष राम आसरे शर्मा आदि गणमान्य लोगो एवं पालिका के सभासदों ने छात्रा को अपनी अपनी शुभकामनाए देते हुए उसके उज्जवल भविष्य की कामना की।

सीएम योगी आदित्यनाथ के जन्म दिवस पर किया वृक्षारोपण

मोदीनगर। विश्व पर्यावरण दिवस एवं प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के जन्म दिवस के अवसर पर आदर्श नगर ईएसआई हॉस्पिटल के कैंपस में वृक्षारोपण अभियान सभासद ललित त्यागी जिला महामंत्री युवा मोर्चा के नेतृत्व में चलाया गया इस मौके पर नवीन जायसवाल जिला कोषाध्यक्ष भाजपा, रिंकू प्रधान, गोपाल गुप्ता, विनोद गुप्ता, शिव अग्रवाल, संदीप वर्मा, राजकुमार, आदि उपस्थित रहे सभी ने प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की दीघार्यु की कामना की ।

प्रदेश स्तरीय कार्यशाला में भाजपा कार्यकर्ताओं में लिया भाग

मोदीनगर। भाजपा की प्रदेश स्तरीय कार्यशाला में मोदी सरकार के 11 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में लखनऊ में आयोजित प्रदेश स्तरीय कार्यशाला मे उत्तर प्रदेश मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उत्तरप्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी, उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक संगठन मंत्री धर्मपाल व उत्तर प्रदेश के कैबिनेट मंत्री उपस्थित रहे। प्रदेश स्तरीय कार्यशाला में प्रदेश के जिला अध्यक्ष व जो आयाम के जिला संयोजक बनाए हैं उपस्थित रहे। इसके अलावा भाजपा जिला अध्यक्ष चैन पाल चौधरी,जिला संयोजक देवेंद्र चौधरी डायमंड कार्यकारिणी सदस्य, नरेंद्र गौड़ जिला संयोजक,नितिन जय मावी जिला सहसंयोजक भी उपस्थित रहे। देवेंद्र चौधरी ने बताया कि कार्यशाला में विकसित भारत का अमृत काल, सेवा सुशासन गरीब कल्याण के 11 साल के बारे में विस्तार से बताया गया। भाजपा के शासनकाल में सरकारी योजना का पात्र व्यक्तियों को भरपूर लाभ मिला और भारतवर्ष विकास की ओर बढ़ा और आगे भी बढ़ता जाएगा।

आईटीएस द्वारा आयोजित स्वास्थ्य शिविर में हजारों मरीजों ने कराई निशुल्क जांच

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मुरादनगर। आईटीएस डेंटल कॉलेज द्वारा मई माह में जनपद के विभिन्न स्थानों पर स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया गया। ग्राम ग्यासपुर, डासना, कलछीना, रहीसपुर, लोनी, मोहन नगर, आकाश नगर, सीकरीखुर्द, डिकोली, नंदग्राम, नेकपुर, फरूकनगर, दसाना, पंची तथा हाइलैंड पैराडाइस, एरोकौन रेनबो, स्टार रामेश्वरम और केडीपी ग्रैंड सवाना आदि सोसायटियों में दंत चिकित्सा स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया।

जिसमें शिविर स्थल पर आने वाले सभी मरीजों को अच्छी मौखिक स्वच्छता बनाए रखने के महत्व के बारे में जागरूक किया तथा जरूरतमंद लोगों को दंत चिकित्सा सेवा प्रदान की गयी। संस्थान के 21 से अधिक दंत विशेषज्ञों की टीम ने दंत शिविर में लगभग 4500 लोगों की मौखिक स्वास्थ्य की निशुल्क जांच की तथा आवश्यक उपचार बताये। विशेष रूप से दांतों की सड़न, मसूड़ों की बीमारियों, दंत फ्लोरोसिस और उन्हें रोकने के उपायों पर जोर दिया गया। इसके साथ ही उन्हें कैरियोजेनिक खाद्य पदार्थो के बारे में शिक्षित किया गया जो दांतों की सड़न पैदा कर सकते है। शिविर स्थल पर मरीजों के दांत निकाले गये, दांतो की सफाई करायी, दांतों की सड़न को रोकने के लिए एपीएफ जैल लगाना और और मरीजों का एक्स-रे तथा दांतो मे मसाला भी भरा गया। इसके साथ मरीजों को तंबाकू समाप्ति पर परामर्ष भी दिये गये। इसके अतिरिक्त मरीजों को संस्थान में प्रदान किये जाने वाले उन्नत उपचार जैसे डेन्टल इंप्लांट, लैमिनेट्स, वेनीर्स, माइक्रोस्कोपिक रूट कैनाल ट्रीटमेंट, ब्रेसेस, एलाइनर्स, टीथ व्हाइटनिंग, हेयर ट्रांसप्लांट आदि के बारे में भी बताया गया। लाभार्थियों ने ग्रुप के चेयरमैन डॉ आर पी चड्ढा तथा वाईस चेयरमैन अर्पित चड्ढा का आभार प्रकट किया।